सुविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 10 ■ अंक - 199 ■ मंडला, रविवार 4 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

क्रिकेट में डबल गोल्ड: महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता स्वर्ण पदक, एशियन गेम्स में भारत का 'क्लीन स्वीप'

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को हराकर एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीत लिया है। पुरुषों से पहले महिला क्रिकेट टीम ने भी एशियाड में गोल्ड जीता था। इस तरह भारत ने क्रिकेट स्पर्धा में डबल गोल्ड हासिल किया।

एशियन गेम्स की क्रिकेट स्पर्धा में भारत को दोहरी सफलता मिली है। पहले हरमनप्रीत कौर की महिला टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था और अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पुरुष टीम ने पाकिस्तान को मात देकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। भारत को इस तरह एशियाड में क्रिकेट स्पर्धा में डबल गोल्ड मिला और दोनों टीमें अपना वर्चस्व कायम रखने में सफल रहीं।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीता है। पिछली बार 2023 हांगझोउ में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में स्वर्ण जीता था। वहीं, क्रिकेट में भारत ने दोनों स्वर्ण अपने नाम किए। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। महिला क्रिकेट टीम ने 2023 हांगझोउ में



भी स्वर्ण जीता था। क्रिकेट में भारत लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफल रहा।

महिला टीम ने श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में हराया था : भारतीय महिला टीम ने इसके साथ ही एशियाड में अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया था। भारत ने फाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ढेर हो गई। इस तरह भारतीय महिला टीम ने 147 रनों के अंतर से जीत दर्ज की थी। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स में महिला क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। भारत के लिए इस मैच में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और ऋचा घोष ने बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया। वहीं, दीप्ति शर्मा की अगुआई में गेंदबाजों का प्रदर्शन भी जोरदार रहा। भारतीय टीम शुरूआत से ही खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी और टीम ने अपना दबदबा जारी रखा था।

पुरुषों ने पाकिस्तान को रोमांचक मैच में दी मात

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया। भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के फाइनल में छह विकेट पर 211 रन बनाए थे। यह टी20 में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल था। भारत ने 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2012 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन बानए थे। भारत के लिए अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाए। अभिषेक ने 28 गेंद में तीन चौके और सात छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली। वहीं, तिलक ने 22 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी।

एशियन गेम्स में भारत को 20वां गोल्ड: रेसलर अमन सहरावत ने सोना जीता

भारत ने एशियन गेम्स में 20वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। रेसलर अमन सेहरावत ने पुरुषों के 57 किग्रा में सोना जीता। यह शनिवार का चौथा गोल्ड मेडल है। इससे पहले मेंस क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर गोल्ड अपने नाम किया। प्रणवी उर्स ने गोल्फ के विमेंस इंडिविजुअल स्ट्रोक प्ले में और 17 साल की तीरंदाज कुमकुम मोहोद ने रिकर्व महिला इंडिविजुअल कैटेगरी में गोल्ड जीता था। भारत ने शनिवार को कुल 5 मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल 81 मेडल हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें स्थान पर है।



भोपाल में गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा ऐलान,

31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त होगा मध्यप्रदेश

भोपालः राजधानी में आयोजित राज्य स्तरीय गौपालक सम्मेलन के मंच से केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश के भविष्य को लेकर एक बेहद कड़ा और बड़ा संकल्प लिया है। गृह मंत्री ने साफ शब्दों में घोषणा की है कि सरकार ने 2029-30 तक मध्यप्रदेश को पूरी तरह नशामुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में प्रशासन और सरकार गंभीर योजना के साथ काम कर रही है।

अभिभावकों और माताओं को दिया विशेष संदेश : सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रदेश के सभी अभिभावकों, विशेष तौर पर माताओं को आश्वस्त किया कि सरकार युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उनकी मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ एक अहम बैठक होने वाली है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 31 दिसंबर 2029



से पहले मध्यप्रदेश को नारकोटिक्स और नशे की समस्या से पूरी तरह आजाद कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि इसके बाद प्रदेश के किसी भी बेटे या बेटी के भविष्य पर नशे का साया नहीं मंडराएगा।

देश में तेजी से बढ़ा दुग्ध उत्पादन : कार्यक्रम के दौरान सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में दुग्ध उत्पादन की स्थिति पर भी रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाला देश बन चुका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश का अनुमानित वार्षिक दूध उत्पादन वर्ष 2020-21 में करीब 209.96 मिलियन टन था, जो बढ़कर वर्ष 2024-25 में लगभग 247.87 मिलियन टन तक पहुंच गया है। सरकार गौपालकों और डेयरी सेक्टर को मजबूत करने के लिए लगातार कई अहम कदम उठा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया संबल मिल रहा है।

नशामुक्त मध्यप्रदेश की डेडलाइनः अमित शाह ने ऐलान किया है कि 31 दिसंबर 2029 के बाद मध्यप्रदेश में नशे के लिए कोई जगह नहीं होगी और युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जाएगा।

उच्चस्तरीय प्लानिंगः इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री और राज्य के गृह विभाग के साथ एक बारीक और ठोस रणनीति पर काम शुरू कर दिया गया है।

दुग्ध उत्पादन में ऐतिहासिक उछालः सम्मेलन में देश के डेयरी सेक्टर का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश का दुग्ध उत्पादन 7 करोड़ लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 25 करोड़ लीटर प्रतिदिन पहुंच गया है।

तिरुपति में फार्मा कंपनी का बॉयलर फटने से 5 लोगों की मौत, 10 से ज्यादा घायल



अमरावती। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां शनिवार को श्री सिटी स्थित एक निजी कंपनी में पानी का बॉयलर फटने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस भीषण दुर्घटना में पांच मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस और आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति से मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार को श्री सिटी की एक प्राइवेट कंपनी में अचानक पानी का बॉयलर फट गया। इस जोरदार धमाके की चपेट में आने से दो मजदूरों की तो मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से झुलसे अन्य मजदूरों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया।

10 मजदूर का इलाज जारी

हादसे में 10 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज जारी है। हालांकि, अभी तक हादसे के सटीक कारणों और मृतकों की पहचान से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

सीएम नायडू ने जताया गहरा शोक

वहीं इस हादसे पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता और मुआवजा प्रदान करें, साथ ही घायल मजदूर का बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करें ताकि उसकी जान बचाई जा सके।

बिहार का 73% हिस्सा बाढ़ प्रभावित

सालाना 6.4 हजार करोड़ खर्च; यूपी में 15 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली। बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। बिहार सरकार के मुताबिक, राज्य का करीब 68.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र यानी लगभग 73% हिस्सा बाढ़ प्रभावित है। राज्य के 38 में से 28 जिले बाढ़ की चपेट में आने वाले माने जाते हैं। सरकार हर साल बाढ़ से निपटने और बाढ़ नियंत्रण से जुड़े कामों पर करीब ?6.4 हजार करोड़ खर्च करती है। वहीं, बिहार में गंडक नदी में उफान और तटबंध टूटने से सारण समेत 6 जिलों के करीब 255 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इससे करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित हुई है। 44 हजार लोग घर छोड़ चुके हैं। राज्य की प्रमुख नदियां भी उफान पर हैं। यूपी में ज्यादातर जिलों में धूप



निकली है। मौसम विभाग ने आज किसी भी जिले में बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है। राज्य में नदियां अब भी उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है।

बीएसएफ ने 2 पाकिस्तानी घुसपैठियों को किया ढेर, तिलमिलाए पाक ने भारतीय राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। बीएसएफ द्वारा पंजाब सीमा पर दो संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराए जाने के मामले में पाकिस्तान ने कड़ा विरोध जताया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के प्रभारी को तलब कर इस घटना पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई। पाकिस्तान ने दावा किया है कि मारे गए दोनों लोग आम नागरिक थे, जबकि भारतीय सीमा सुरक्षा बल का कहना है कि वे भारतीय सीमा में जबरन घुसपैठ का प्रयास कर रहे थे। यह घटना शुक्रवार दोपहर पंजाब के तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हुई। तरनतारन के पुलिस उपाधीक्षक डीएसपी भिखीविंड अतुल सोनी के अनुसार, तीन संदिग्ध व्यक्ति पाकिस्तानी सीमा से भारतीय क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे। उनमें से एक व्यक्ति वापस पाकिस्तान की तरफ लौट गया, जबकि दो अन्य लगातार चेतावनी के बाद भी आगे बढ़ते रहे। बीएसएफ संतरी के अनुसार, दोनों व्यक्ति जवानों को उकसाते हुए भारतीय सीमा में दाखिल होने की जिद कर रहे थे। बार-बार दी गई चेतावनियों की अनदेखी के बाद बीएसएफ ने गोली चलाई, जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की गई।

ई-चालान नहीं भरा तो जब्त होगी गाड़ी, सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में लंबित ट्रैफिक ई-चालान की वसूली के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। अब बकाया चालान वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा और उनकी ऑनलाइन सेवाएं व आरसी रिन्यूअल रोक दिए जाएंगे। कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि बकाया ई-चालान वाले वाहनों की रैंडम जांच की जाए और चालान नहीं भरा मिलने पर वाहन जब्त करने की कार्रवाई की जाए। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बैंच ने कहा कि अधिकारियों को ई-चालान वसूली के लिए जमीन स्तर पर काम करना होगा। सर्वोच्च न्यायालय अपने आदेश में इस बात पर सख्ती के साथ जोर दिया है कि सडकों पर रैंडम चेकिंग की जाए और अगर किसी वाहन पर पुराना ई-चालान बकाया मिलता है, तो गाड़ी को तुरंत जब्त कर लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि बकायेदार वाहनों की ऑनलाइन सेवाओं को पूरी तरह फ्रीज कर दिया जाए। जब तक जुमार्ना नहीं भरा जाता, तब तक रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) का रिन्यूअल, डुप्लीकेट आरसी जारी करना और पता अपडेट करने के अनुरोध पर रोक रहेगी। इसके अलावा जब तक सभी पेंडिंग चालान पूरी तरह से क्लियर नहीं हो जाते, तब तक गाड़ी का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा।

गया से लौट रहे डॉक्टर और प्रिंसिपल भाइयों की मौत



मैहर। बिहार के गया में पितरों का पिंडदान और श्राद्ध कर्म कर लौट रहे डॉक्टर और प्रिंसिपल भाइयों की इनोवा कार मैहर के पास डिवाइडर से टकरा गई। शनिवार तड़के 3 बजे हुए हादसे में दोनों की मौके पर मौत हो गई, जबकि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है। घटना पौड़ी गांव के पास की है। मृतकों की पहचान दमोह के डॉक्टर संजय गंगेले (59) और उनके बड़े भाई प्रिंसिपल सुधीर गंगेले (61) के रूप में हुई है। वहीं ड्राइवर राजा रैकवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार का नंबर (टढ 20 इअ 5139) है। हादसे के बाद इसके परखच्चे उड़ गए।

ट्राले ने पति-पत्नी, बेटी को कुचला

बदनावर, धार। धार जिले के बदनावर में तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक सवार परिवार को रौंद दिया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल है। हादसे से आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने लेबड़-नयागांव फोरलेन पर धरना देकर करीब ढाई घंटे तक चक्काजाम किया। एसडीएम के आश्वासन के बाद रास्ता खुल सका, लेकिन तब तक सड़क पर 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था।

अनंत सिंह के विरोध के बीच नीरज कुमार से मिले नीतीश, बोले- 'अच्छे से लड़ो और जीतो'

पटना। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के टछउ चुनाव से पहले जेडीयू के भीतर चल रही खींचतान के बीच नीरज कुमार ने मुख्यमंत्री एवं जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुलाकात में नीतीश कुमार ने नीरज कुमार को चुनाव में मजबूती से लड़ने और जीत के लिए प्रयास करने का संदेश दिया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब जेडीयू विधायक अनंत सिंह पार्टी प्रत्याशी नीरज कुमार के बजाय जन सुराज के उम्मीदवार डॉ. अनुज सिंह के समर्थन में सक्रिय हैं। पटना स्नातक सीट पर नीरज कुमार को जेडीयू ने अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं अनंत सिंह ने अनुज सिंह के समर्थन का ऐलान किया है और उनके नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। ऐसे में नीरज कुमार की नीतीश कुमार से मुलाकात ने चुनावी घटनाक्रम को और चर्चा में ला दिया है।

नीरज को मिला पार्टी नेतृत्व का संदेश :



मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार ने नीरज कुमार से चुनाव को लेकर बातचीत की। नीरज कुमार ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नीतीश कुमार के प्रति आभार जताया और पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारी को कार्यकताओं का सम्मान बताया।

अनंत सिंह ने अनुज के लिए खोला मोर्चा : अनंत सिंह पहले ही नीरज कुमार की उम्मीदवारी का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने जन सुराज प्रत्याशी डॉ. अनुज सिंह के समर्थन की घोषणा की और उनके लिए प्रचार करने की बात कही है। एक अक्टूबर को अनुज सिंह के नामांकन में भी अनंत सिंह की मौजूदगी रही।

विवाद सुलझाने की कोशिश में जेडीयू : पार्टी के भीतर इस विवाद को लेकर नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। जेडीयू नेताओं ने अनंत सिंह के रुख पर सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया दी है। पार्टी की ओर से विवाद को सुलझाने के लिए वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दिए जाने की बात भी सामने आई है।**23 अक्टूबर को मतदान, 27 को आएगा परिणाम** : बिहार विधान परिषद की आठ शिक्षक और स्नातक सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होना है, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। पटना स्नातक सीट पर जेडीयू के नीरज कुमार और जन सुराज के डॉ. अनुज सिंह मैदान में हैं।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

10 प्रतिशत बकाया जमा करते ही रिहाई, शेष 90 प्रतिशत राशि छह महीने में चार किश्तों में चुकानी होगी

छह दशक से गुजारा भत्ता नहीं देने पर जेल गए मजदूर को हाईकोर्ट से राहत



जबलपुर। हाईकोर्ट से छह दशक से भरण-पोषण नहीं देने पर 11 महीने के कारावास की सजा भुगत रहे मजदूर को राहत मिली है। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने आवेदक की आर्थिक स्थिति को देखते हुए निर्देश दिया कि बकाया राशि का 10 प्रतिशत जमा करने पर उसे रिहा किया जाए। शेष 90 प्रतिशत राशि छह महीने में चार किश्तों में जमा करनी होगी।

दरअसल छिंदवाड़ा निवासी शाहिद कुरैशी का निकाह 26 अप्रैल 2012 को हुआ था। दंपती के दो बच्चे हैं। विवाद के बाद दोनों अलग रहने लगे। पत्नी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण का आवेदन किया था। 21 जनवरी 2025 को फैमिली कोर्ट, छिंदवाड़ा ने एकतरफा आदेश में पत्नी और बच्चों को प्रतिमाह 3,750 रुपये भरण-पोषण देने के निर्देश दिए। भुगतान नहीं होने पर पत्नी ने वसूली आवेदन दिया। फैमिली कोर्ट ने 11 मई 2026 को 77 महीने की बकाया राशि 2,88,750 रुपये जमा नहीं करने पर शाहिद को 11 महीने के कारावास का आदेश दिया। इसे चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने आर्थिक स्थिति को देखते हुए 10 प्रतिशत राशि जमा करने पर रिहाई और शेष राशि छह महीने में चार किश्तों में चुकाने की शर्त पर याचिका का निराकरण कर दिया।

कार रिपेयरिंग के 62,680 रुपये बीमा कंपनी डेढ़ माह में दे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने इफ्को टोक्यो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को दुर्घटनाग्रस्त कार की रिपेयरिंग में खर्च हुए 62 हजार 680 रुपये परिवादी को डेढ़ माह के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने दुर्घटना की तारीख से उक्त राशि पर सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के साथ ही पांच हजार रुपये हजार्ना भी देने के निर्देश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष पंकज यादव, सदस्य अमित सिंह तिवारी और सोनल पंडित की पीठ ने यह आदेश स्टार ड्रीम्स सिटी, समाधि रोड निवासी विवेक धरया की शिकायत पर सुनवाई के बाद दिया। परिवादी की कार क्रमांक एमपी-20-जेडए-5079 का चार मार्च 2024 को दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। बीमा कंपनी ने यह कहते हुए क्लेम देने से इन्कार कर दिया था कि वाहन में हुई क्षति पुरानी है। परिवादी की ओर से अधिवक्ता गौरव मिश्रा ने पक्ष रखा। आयोग ने मामले की सुनवाई के बाद बीमा कंपनी को रिपेयरिंग में खर्च हुई राशि का भुगतान करने का आदेश दिया।

40 साल की उम्र पर हिंदी टाइपिंग परीक्षा से छूट की मांग

जबलपुर। हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति व हिंदी टाइपिंग परीक्षा से संबंधित मामले में याचिकाकर्ता डिंडौरी अरविंद कुमार कटारिया को नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता देते हुए संबंधित अधिकारियों को 90 दिन में नियमानुसार निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता 15 दिन के भीतर अभ्यावेदन प्रस्तुत करे। दरअसल याचिकाकर्ता की वर्ष 2011 में अनुकंपा नियुक्ति हुई थी। अधिवक्ता सुदीप सिंह सैनी ने तर्क दिया कि नियुक्ति के समय लागू 1992 के प्रविधानों के तहत हिंदी टाइपिंग परीक्षा उत्तीर्ण करने की शर्त थी, लेकिन 40 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर स्थायी छूट का प्रविधान था। याचिकाकर्ता ने 24 अगस्त 2022 को 40 वर्ष की आयु पूरी कर ली, इसलिए उसी तारीख से परीक्षा से स्थायी छूट, रोकी गई वार्षिक वेतनवृद्धि, एरियर व नियमित कर्मचारी के रूप में परिणामी लाभ मांगे हैं। मामले में निखिल सिंह ठाकुर बनाम राज्य शासन के 23 अप्रैल 2024 के निर्णय का भी हवाला दिया गया। कोर्ट ने अधिकारियों को शासन के संबंधित सर्कुलर और उक्त निर्णय के आलोक में अभ्यावेदन का निराकरण करने को कहा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आदेश पारित करते समय मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की गई है।

एक बगिया मां के नाम में कर्मचारी की बर्खास्तगी निरस्त

जबलपुर । एक बगिया मां के नाम योजना और मनरेगा कार्यों में कथित लापरवाही के आधार पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार शर्मा की संविदा सेवा समाप्त करने का आदेश हाई कोर्ट ने निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता केके पांडे ने पक्ष रखा। मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीधी ने 17 दिसंबर 2025 को सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया था। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि योजना के क्रियान्वयन में सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, उपयंत्री व सहायक यंत्री सहित कई स्तर के अधिकारियों की भूमिका होती है, इसके बावजूद पूरी जिम्मेदारी याचिकाकर्ता पर डाल दी गई। कोर्ट ने पाया कि शर्मा ने 16 दिसंबर को कारण बताओ नोटिस के जवाब में पोर्टल डाउन रहने, तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां लंबित होने तथा कार्य-विभाजन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य रखे थे। इसके बावजूद अगले ही दिन सेवा समाप्ति आदेश पारित कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि आरोपों पर आधारित कलंककारी सेवा समाप्ति में कर्मचारी के जवाब और बचाव पर वस्तुनिष्ठ विचार करना आवश्यक है। हाई कोर्ट ने 17 दिसंबर का सेवा समाप्ति आदेश निरस्त करते हुए मामला कलेक्टर, सीधी को नए सिरे से विचार के लिए भेज दिया। शर्मा को दो सप्ताह में अपील प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। कलेक्टर को पूर्ण सुनवाई के बाद दो माह में कारणयुक्त आदेश पारित करना होगा। पुनर्नियुक्ति और मध्यवर्ती मानदेय का प्रश्न नीति के अनुसार तय किया जाएगा।

लिंक खुलते ही खाते से निकले 2.75 लाख रुपये

जबलपुर में सोशल मीडिया पर डॉक्टर का नंबर ढूंढना पड़ा महंगा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। साइबर ठग लोगों की जरूरत और लापरवाही का फायदा उठाकर खातों तक पहुंच बना रहे हैं। जिले में तीन अलग-अलग मामलों में ठगों ने लोगों को विभिन्न तरीके से निशाना बनाया। डॉक्टर का नंबर गूगल पर तलाशना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। दूसरे मामले में महिला के यूपीआई नहीं चलाने के बावजूद खाते से रकम ट्रांसफर होती रही। वहीं तीसरे मामले में बैंक पहुंचने पर व्यक्ति को अपने खाते से रकम निकलने की जानकारी हुई। तीनों मामलों में पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर की ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर 2.75 लाख की चपत- हनुमानताल पुलिस के अनुसार शुक्रवारी बजरिया फूटाताल निवासी स्वतंत्र जैन (50) बैग प्रिंटिंग का काम करते हैं। उनकी मां के पेट में तकलीफ थी। डाक्टर को दिखाने के लिए उन्होंने इंटरनेट पर नंबर तलाशा और उस पर काल किया। फोन साइबर ठग लग गया। मरीज की जानकारी भरने के लिए मोबाइल पर ऑनलाइन लिंक भेजी खुद को डॉक्टर का रिसेप्शनिस्ट बताया और मरीज की जानकारी भरने के लिए मोबाइल पर ऑनलाइन लिंक भेजी। स्वतंत्र ने लिंक पर जानकारी भरी तो इसके बाद बुकिंग के लिए पांच रुपये ऑनलाइन भेजने को कहा गया। इसके साथ एक एपीके फाइल भेजी गई। पांच रुपये ट्रांसफर करने के बाद उनसे एक और फार्म भरवाया गया। इसके बाद लगातार लिंक आने लगे। तीन दिन में उनके खाते से कुल 2.75 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए गए।

यूपीआई नहीं चलाती थीं, फिर भी खाते से निकल गए 1.77 लाख

संजीवनी नगर निवासी सविता (49) का खाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र की संजीवनी नगर शाखा में है। उनका मोबाइल नंबर खाते से लिंक है, लेकिन वह यूपीआई का इस्तेमाल नहीं करतीं। इसके बावजूद 18 से 21 सितंबर के बीच उनके खाते से एक लाख 77 हजार 902 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर हो गए। 22 सितंबर को बैंक से रुपये निकालने पहुंचीं तो उन्हें ठगी का पता चला।

बैंक पहुंचने पर पता चला खाते से उड़ गए 52 हजार

कटंगी थाना क्षेत्र के बेलखाडू निवासी सुरेश कुमार (46) एक कंपनी में असिस्टेंट मटेरियल इंजीनियर हैं। उनके खाते से साइबर अपराधियों ने 52 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। बैंक पहुंचने पर उन्हें इसका पता चला।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान में संस्थाओं का निरीक्षण, व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत पूर्व विधानसभा क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभिन्न शासकीय संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूल, तालाब, रसोई और आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान व्यवस्थाओं एवं जनसुविधाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अधारताल स्थित सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल की व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक कार्यों को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान विद्यार्थियों से भी संवाद किया गया। इसके बाद महर्षि महेश योगी वार्ड क्रमांक 57 स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित जनप्रतिनिधियों ने ओपीडी, एएनसी पंजीयन, साफ-सफाई और जनसुविधाओं की जानकारी ली। चांदमारी की तलैया का निरीक्षण कर साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए। नगर निगम आयुक्त ने सफाई के बाद आसपास समतलीकरण कर पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए। अधारताल स्थित सेफ नगर उद्यान में पौधारोपण किया गया और सफाई कर्मचारियों का सम्मान किया गया। अधिकारियों ने क्षेत्र में साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। भानतलैया जोन कार्यालय में पीएम स्वनिधि, पेंशन और अन्य योजनाओं से हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई। पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए तथा पेंशन हितग्राहियों को लाभ दिया गया। राजा गोकुलदास धर्मशाला स्थित मुख्यमंत्री आश्रय स्थल में रसोई और यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का निरीक्षण किया गया। दीनदयाल स्थित रसोई में नगर निगम आयुक्त ने क्यूआर कोड स्कैन कर पांच रुपये थाली भोजन का भुगतान किया और जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ भोजन कर गुणवत्ता परखी। रानी दुर्गावती चिकित्सालय एल्गिन अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। बच्चों के टीकाकरण की जानकारी ली गई तथा फायर सिस्टम को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। वार्ड में भर्ती मरीजों से भी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई।

कुंडेश्वरधाम में सेवा सेतु शिविर, योजनाओं का ग्रामीणों को मिला लाभ



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कुंडेश्वरधाम में ह्यसेवा सेतु-सरकार आपके द्वारह्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिहोरा विधायक संतोष वरकड़े के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में पूर्व विधायक नंदनी मरावी, कुंडेश्वर जनपद अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, एडीएम नीता राठौर, एसडीएम प्रगति गनवीर और जनपद सीईओ संजीव तिवारी सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। विधायक संतोष वरकड़े ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनका समाधान किया जा रहा है। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से पेंशन, राजस्व, कृषि, राशन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में गांव की बेटी योजना के तहत छात्राओं को प्रतिवर्ष पांच-पांच हजार रुपये की स्वीकृति दी गई। दो मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की गई, जबकि संबल योजना के पांच हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र दिए गए। आजीविका मिशन के अंतर्गत 25 लाख रुपये का स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया। पूर्व विधायक नंदनी मरावी ने बताया कि शिविर में पेंशन, संबल कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी और आधार कार्ड अपडेशन के लिए विशेष कैंप लगाए गए हैं। उन्होंने महिलाओं से स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार की गतिविधियों से जुड़कर स्वावलंबी बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम में अधिकारियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की जानकारी ली।

सेवा सेतु में 18 विभागों के स्टॉल, ग्रामीणों को मौके पर मिलीं सरकारी सेवाएं



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ग्राम सालीवाड़ा गौर में सेवा संकल्प अभियान के तहत ह्यसेवा सेतु-सरकार आपके द्वारह्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदु के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, जनपद अध्यक्ष चंद्र किरण गोस्वामी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, एसडीएम कलावती ब्यारे और जनपद सीईओ विनोद पांडे सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। विधायक सुशील तिवारी ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को सीधे नागरिकों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी पेंशन, आवास, राशन, राजस्व, कृषि, बैंक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए जनपद, तहसील या जिला मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रशासन गांव तक पहुंच रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखें और उपलब्ध योजनाओं का लाभ लें। विधायक ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाने तथा महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्व-सहायता समूहों की योजनाओं का लाभ लेने पर भी जोर दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया ने कहा कि जनहित और पंचायतों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाशाली छात्राओं को स्कूटी प्रदान कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत ने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम स्थल पर 18 प्रमुख सरकारी विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन सहित अन्य योजनाओं और नई तकनीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पात्र हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पुस्तकें और पोषण डलिया वितरित किए गए। मेधावी छात्राओं को स्कूटी भी प्रदान की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित जानकारी ली।

एकलपीठ ने सुनवाई के बाद याचिका को किया खारिज

चयन नही हुआ तो प्रक्रिया को हाईकोर्ट में दी चुनौती

जबलपुर। चयन नहीं होने के कारण प्रक्रिया को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि याचिकाकर्ता खुद प्रक्रिया में शामिल हुआ था। एकलपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि चयन में असफल होने के बाद प्रक्रिया को चुनौती नही दे सकते है। याचिकाकर्ता डॉ के के केसरवानी की तरफ से डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में असिस्टेंट लाइब्रेरियन पद पर डॉ अनुराग श्रीवास्तव की नियुक्ति किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि उसके पास चयनित अभ्यार्थी से लाइब्रेरी संबंधी अतिरिक्त योग्यता और अनुभव था। याचिका में चयनित अभ्यर्थी के शैक्षणिक योग्यता व अनुभव पर भी सवाल किये गये थे। याचिका में कहा गया था कि उक्त पद को प्रमोशन से भरा जाना था। इसके बावजूद भी भर्ती के लिए सीधी प्रक्रिया अपनाई गयी। एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि चयनित अभ्यर्थी ने 28 अप्रैल 2011 को पीएचडी की डिग्री प्राप्त की थी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2012 थी। दोनो की शैक्षणिक अंकों की तुलना करने पर चयनित अभ्यर्थी ने 12वीं, स्नातक, बी.लिब. और एम.लिब. में याचिकाकर्ता से अधिक अंक प्राप्त किए थे। इसके अलावा चयनित अभ्यर्थी के पास लाइब्रेरियन के रूप में करीब 2 वर्ष 7 महीने का अनुभव था।याचिकाकर्ता का अनुभव मुख्यतः कैटलॉगर के रूप में था और असिस्टेंट लाइब्रेरियन के रूप में उनका कार्यकाल एक वर्ष से कम था।

70 लाख के लिए पत्नी का कराया मर्डर : 5 लाख में सुपारी देकर गाड़ी से कुचलवाया; हादसा दिखाने 3-4 बार प्रैक्टिस की



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर जिले के पाटन में गर्भवती कविता चौधरी की मौत के 28 दिन बाद पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। शुरूआती जांच में हादसा नजर आ रही यह घटना असल में प्री-प्लांड हत्या निकली, जिसे कविता के पति ने ही 5 लाख रुपए की सुपारी देकर अंजाम दिलवाया था। पुलिस ने इस साजिश में शामिल तीन सुपारी किलर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मास्टरमाइंड पति और उसका साथी फरार है।

दो महीने पहले से कर रहा था हत्या की साजिश

पुलिस जांच के अनुसार, 27 वर्षीय आरोपी प्रयास पांडे ने साल 2022 में कविता चौधरी (31) से प्रेम विवाह किया था। अलग समाज में शादी के कारण प्रयास का परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था, जिससे दोनों के बीच अनबन रहने लगी। प्रयास को मालूम था कि एलआईसी एजेंट कविता के नाम करीब 70 लाख रुपए की बीमा पॉलिसी है। इससे छुटकारा पाने और बीमा रकम हासिल करने के लिए उसने दो महीने पहले हत्या की साजिश शुरू कर दी।

मुंहमांगी रकम, दो युवकों ने मना कर दिया

कानून की पढ़ाई कर चुका प्रयास पांडे खुद को इस मामले से दूर रखना चाहता था। उसने सबसे पहले पाटन की शराब दुकान के पास दो युवकों को मुंहमांगी रकम का ऑफर दिया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद उसके दोस्त मान सिंह के जरिए चौधरी मोहल्ले के धनीराम, रामजी और विक्रम अहिरवार से 5 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। प्रयास ने एक लाख रुपए एडवांस दिए और सीसीसीटीवी या फोन कॉल में पकड़े जाने से बचने के लिए सीधे संपर्क करने के बजाय दूरियां बनाए रखीं।

20 हजार रुपए देकर किराए पर ली पिकअप गाड़ी

हादसा दिखाने के लिए आरोपियों ने तीन-चार बार घटनास्थल पर जाकर 'सीन रीक्रिएशन' किया और योजनाबद्ध तरीके से काम किया। हादसे को दिया अंजामः रात करीब 9 बजे रानीताल पुलिया के पास जैसे ही कविता एक्टिवा से पहुंची। विक्रम ने पिकअप से पीछे से टक्कर मार दी। कविता के नीचे गिरते ही उसके सिर पर पिकअप चढ़ा दी गई, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मासूम बनने का नाटकः घटना के तुरंत बाद आरोपी पति प्रयास मौके पर पहुंचा और पुलिस व परिजनों के सामने शव से लिपटकर रोने लगा। अंतिम संस्कार तक वह पुलिस के साथ बना रहा। मुखबिर की सूचनाः पुलिस शुरूआत में अज्ञात वाहन के खिलाफ एक्सीडेंट का केस मानकर जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से खबर मिली कि प्रयास कुछ दिन पहले शराब दुकान के पास पत्नी की हत्या की बात कर रहा था। कबूलनामाः पुलिस ने जब संदेह के आधार पर तीनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने सारी साजिश उगल दी।

तीन आरोपी गिरफ्तार, मास्टरमाइंड पति की तलाश जारी

पाटन थाना पुलिस ने धनीराम, रामजी और विक्रम अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात का मास्टरमाइंड प्रयास पांडे और उसका दोस्त मान सिंह फरार हैं।

मां सहित नाना-नानी व ममेरी बहन की मौत, एसपी सहित पुलिस टीम मौके पर

मानसिक अस्वस्थ युवक ने डंडे से हमला कर चार की कर दी हत्या, चार घायलों का मेडिकल कॉलेज में चल रहा है इलाज



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के छोटी तुम्मी ग्राम पंचायत के अमोदा गांव में दिल दहला देने वाली घटना में नाना-नानी के घर रह रहे 32 वर्षीय युवक प्रेम सिंह गोंड़ निवासी नौरोजाबाद उमरिया ने अचानक अपनी ही 70 वर्षीय नानी भन्त्री बाई गोंड और बीच बचाव करने पहुंचे 75 वर्षीय नाना संपत सिंह गोंड़ पर डंडे से लगातार प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, वहीं बीच बचाव करने पहुंची 50 वर्षीय मां अनुपिया बाई पर भी हमला कर घायल कर दिया। इस घटना में 4 की मौत हो गई।

वहीं इस दौरान युवक ने अपने मामा सहित उनकी 4 अन्य पर भी डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिनका वर्तमान में शहडोल में इलाज कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब पहुंच कर मौके पर निरीक्षण कर जायाजा लिया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार युवक प्रेम सिंह गोंड मानसिक विक्षिप्त है, जो अपनी मां के साथ किसी पारिवारिक कारणों में कुछ समय से अपने नाना-नानी के घर अमोदा में रह रहा था। घटना के पहले की रात करीब 1-2 बजे गांव के ही मंदिर पुजारी 62 वर्षीय गंगा सिंह पर अचानक डंडे से हमला किया था जिसमें पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने परिजनों के साथ उन्हें उपचार के लिए अस्पताल के लिए भेजा था। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रेम सिंह गोंड़ का हाथ पैर बांधकर घर के पास बैठा दिया था। कुछ देर शांत रहने के बाद सुबह करीब 4 से 5 के बीच मां को लगा कि अब वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाएगा उसके हाथ पांव की बंधी रस्सी की खोत दी। लेकिन कुछ समय बाद अचानक ही युवक पास रखे डंडे से अपनी नानी भन्नी बाई पर हमला कर दिया। इसी दौरान बीच बचाव के लिए उसके नाना संपत सिंह दौड़े, लेकिन युवक ने उसे पर भी ताबड़तोड़ डंडे से प्रहार करना शुरू कर दिया। दोनों वहीं जमीन पर गिर गए, घटना को देखकर मां अनुप्रिया बाई भी बीच बचाव के लिए दौड़ी लेकिन युवक ने उसे पर भी हमला कर दिया। यह कम पारिवारिक स्थिति में लगातार चलता रहा। इसके बाद युवक ने अपने मामा व उनकी 3 बेटियों पर भी डंडे से हमला किया जिसमें सभी को चोटे आई। घटना के सूचना पर फॉरेंसिक टीम को भी गांव बुलाया गया जहां साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। घटनास्थल की घेराबंदी कर दिया गया है। शवों का पंचनामा तैयार करते आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। घायल चैन सिंह ने बताया कि पास में घर होने के बावजूद डर की वजह से लोग मदद के लिए आगे नहीं आए। हमले के दौरान बड़ी बेटी किसी तरह वहां से निकलकर जंगल की तरफ भागी। उसने चैन सिंह को पूरी घटना बताई। चैन सिंह घर की तरफ दौड़े। वहां पहुंचते ही प्रेम सिंह ने उन पर भी हमला कर दिया। शोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। प्रेम सिंह को पकड़कर दोबारा रस्सी से बांध दिया। तब तक संपत सिंह, भन्नी बाई और अनुप्रिया की मौत हो चुकी थी। सभी घायलों को शहडोल मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। यहां मोनिका ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। चैन सिंह के हाथ में फ्रैक्चर और सिर में चोट आई है। बच्ची भारती की हालत गंभीर है। उसे आईसीयू में रखा गया है।

घटनास्थल पर पहुँची स्वास्थ्य विभाग की टीम

पुष्पराजगढ़ बीएमओ डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया- बेनीवारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। शवों की जांच और फोटोग्राफी की जा रही है। जरूरत पड़ने पर शवों को बेनीबारी में पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम घटनास्थल पर संभव है या शवों को बेनीबारी लाया जाएगा, यह फोरेंसिक टीम के निर्देश और मौके की स्थिति के आधार पर तय होगा।



2.5 करोड़ का पुल शुरू होने से पहले तीन फीट बड़ा छेद दिखा निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, शहडोल। नेशनल हाईवे-43 पर शहडोल-उमरिया के बीच बाईपास मार्ग पर बना करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत का पुल चालू होने से पहले ही क्षतिग्रस्त हो गया। मुड़ना नदी पर बने इस पुल में करीब तीन फीट लंबा और तीन फीट चौड़ा बड़ा छेद दिखाई दिया। स्थिति इतनी गंभीर है कि पुल की ढलाई का हिस्सा टूटकर नदी में जा गिरा है और ऊपर से नीचे पानी व नदी का हिस्सा साफ दिखाई दे रहा है।

राजा बाग से आगे बाईपास मार्ग पर बने इस पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से को देखकर निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक करीब डेढ़ साल पहले भी इसी पुल के दूसरे हिस्से में कुछ दूरी पर इसी तरह का बड़ा छेद हो चुका था। अब दोबारा पुल क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। संबंधित विभाग ने सड़क और पुल को अभी तक आधिकारिक रूप से आवागमन के लिए शुरू नहीं किया है। इसके बावजूद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही जारी है और कई भारी वाहन भी पुल से गुजर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने खतरे को देखते हुए वहां संकेतक लगाकर वाहन चालकों को सावधान करने का प्रयास किया। मौके पर विभाग सुरक्षा व्यवस्था या तत्काल मरम्मत की कार्रवाई नजर नहीं आई। एमपीआरडीसी के प्रबंधक अवधेश सोनकर ने बताया कि सड़क और पुल अभी आधिकारिक रूप से शुरू नहीं किए गए हैं। पुल के जिस हिस्से में नुकसान हुआ है, उसकी मरम्मत के लिए ठेकेदार से कहा जाएगा। जल्द मरम्मत कराने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार पुल की अनुमानित लागत दो करोड़ रुपये से अधिक है।

सर्प काटने से महिला की मौत, 15 सर्पो का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। घर के पीछे बॉडी में काम कर रही है 45 वर्षीय महिला की जहरीले सर्प के काटने से जिला चिकित्सालय में उपचार दौरान मौत हो गई, वहीं 24 घंटे के मध्य जिले के सर्पप्रहरियों ने 15 से अधिक सर्पों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर वन क्षेत्रो में छोड़ा है। विगत 2 माह से अनूपपुर जिले में एंबुलेंस संचालन एवं संधारण की व्यवस्था बेलगाम होने से मरीज परेशान है, जिससे कई मरीजों की मौत हो चुकी है। पुलिस चौकी फुनगा अंतर्गत छिल्पा गांव के रामरतू बैगा की 45 वर्षीय पत्नी तेरसिया बैगा जो घर के पीछे बॉडी में सफाई का काम कर रही थी, तभी अचानक एक अत्यंत जहरीले सर्प ने दाएं हाथ के अंगूठे में डस लाया, जिसे परिजनों द्वारा कई घंटे एंबुलेंस का इंतजार करने बाद दोपहर मे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाकर भर्ती कराया जहां उपचार दौरान महिला की देर रात मौत हो गई। घटना की सूचना पर अस्पताल पुलिस के द्वारा कार्यवाही करते हुए शव का पीएम करा कर अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौपा है। परिजनों ने एंबुलेंस के कई घंटे बाद आने के कारण लेट होने पर सही समय पर उपचार न होने से तेरसिया की मौत होना बताया। अनूपपुर जिले में स्वेक्षिक रूप से कार्य कर रहे सर्पप्रहरियों ने विगत 24 घंटे के मध्य 15 से अधिक जहरीले एवं समान्य सर्पो कों को आम जनों के घर एवं घरों के आसपास में विचरण करने की सूचना पर, सर्पो का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु वनांचल क्षेत्र में छोड़ने का कार्य किया है।

नीरज चोपड़ा-गगन नारंग ने बांधवगढ़ में की सफारी- ओलंपियन नीरज चोपड़ा और गगन नारंग शनिवार को उमरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंचे। उन्होंने तला गेट से करीब चार घंटे जंगल सफारी की और वन्यजीवों को करीब से देखा। प्रबंधन ने उनके लिए खास इंतजाम किए थे। सुबह ताला गेट से प्रवेश के बाद नीरज और गगन ने जंगल के कई हिस्सों का दौरा किया।

पिता ने पुत्र पर कुल्हाड़ी से किया हमला, घटना स्थल पर युवक की हुई मौत, आरोपी हुआ फरार



दैनिक रेवांचल टाइम्स, शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम कोठिया में पिता-पुत्र के बीच चल रहा विवाद खूनी वारदात में बदल गया। खेत में काम करने के दौरान हुए विवाद में पिता ने अपने 28 वर्षीय बेटे पर कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गले पर गंभीर वार लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मृतक की पहचान सिंह राज सिंह गोंड 28 वर्ष निवासी ग्राम कोठिया के रूप में हुई है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक और उसके पिता नंद कुमार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच पिछले करीब एक साल से विवाद की स्थिति बनी हुई थी। आए दिन दोनों के बीच कहासुनी और झगड़ा होने की बात सामने आई है। सिंह राज सिंह घर के पास स्थित खेत में काम कर रहा था।स इसी दौरान किसी बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि नंद कुमार ने कुल्हाड़ी से बेटे के गले पर हमला कर दिया। इसके बाद भी उसने कई वार किए। गंभीर चोट लगने के कारण सिंह राज सिंह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर ब्यौहारी पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी पिता वहां से फरार हो चुका था। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद वह जंगल की ओर भाग गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की है।

उमरिया में कोल कंपनी-ग्रामीणों में झड़प, 19 पर केस दर्ज

उमरिया। उमरिया जिले के गिठौरी गांव में शुक्रवार रात हुए एक कोयला खनन कंपनी और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। रात में कंपनी की शिकायत पर पुलिस ने 19 ग्रामीणों और कई महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया। झड़प में कंपनी के छह अधिकारी-कर्मचारी घायल हुए। यह विवाद जमीन पर कब्जे को लेकर हुआ था। कंपनी पक्ष ने ग्रामीणों पर पत्थर और डंडे से हमला करने का आरोप लगाया। सुरेश अग्रवाल, विजय यादव समेत 6 कर्मचारियों की शिकायत पर पुलिस ने ग्रामीणों के खिलाफ केस दर्ज किया। मामले की जानकारी मिलने के बाद शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण पाली थाने पहुंचे और धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने भी अपनी शिकायत पुलिस को दी। अधिकारियों ने उन्हें समझाकर आवेदन लिया।

ग्रामीणों की शिकायत पर जांच जारी

एसडीओपी विजय सिंह ने बताया कि कंपनी की शिकायत पर ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। ग्रामीणों ने भी शिकायत दी है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद कानूनी कार्रवाई होगी।

इन ग्रामीणों पर हुई FIR

बजरंग इस्पात कंपनी के सुरेश अग्रवाल विजय यादव शिवम शर्मा शक्ति प्रताप सिंह वीरेंद्र यादव कमलेश कुमार रैदास की शिकायत पर ग्रामीण अरुण सिंह रामकृष्ण सिंह, रामसिंह, नागेंद्र सिंह, सोनशाय, विजय सुशीला बाई, सुषमा बाई, छोटा बाई, मुन्नी बाई, रामप्यारी बाई, सुमन बाई, ज्योतिबाई, चंदाबाई, जानकी बाई समेत 20 गांव की अन्य महिलाओं पर मामला दर्ज किया गया है।

किशोरी को गर्म चिमटे से जलाने वपर डॉक्टर की पत्नी के ऊपर मामला दर्ज, डॉक्टर पर हो सकती है एफआईआर



दैनिक रेवांचल टाइम्स, शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र की आशीर्वाद कॉलोनी में आठ वर्षीय बालिका के साथ कथित अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया था। पुलिस ने बालिका के बयान के आधार पर डॉक्टर की पत्नी शांति उर्फ गुड़िया प्रजापति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बालिका ने आरोप लगाया है कि गलती होने पर उसे मारपीट करने के साथ गर्म चिमटे से जलाया जाता था। मामले में डॉक्टर बीआर प्रजापति के खिलाफ फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उनकी भूमिका सामने आने पर उन्हें भी आरोपी बनाया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर मामले में धाराएं भी बढ़ाई जा सकती हैं। करीब छह महीने पहले डॉक्टर दंपती उसे बांदा से शहडोल लेकर आए थे। उसे अपनी छोटी बच्ची की देखरेख के लिए घर में रखा गया था। बालिका कथित तौर पर डॉक्टर के घर से निकलकर पड़ोस के एक मकान में पहुंची। वहां उसने रोते हुए अपने साथ हो रही ज्यादती की जानकारी दी। पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और बालिका को संरक्षण में लेकर बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया। इसके बाद से बालिका समिति की देखरेख में है। पुलिस ने बालिका के बयान दर्ज किए, जिसके आधार पर शांति उर्फ गुड़िया प्रजापति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। बालिका की बहन और उसका पति उसे लेने बाल कल्याण समिति के कार्यालय पहुंचे। समिति अध्यक्ष कल्याणी वाजपेयी के अनुसार, उनके पास ऐसे पुख्ता दस्तावेज नहीं थे, जिनसे यह साबित हो सके कि बालिका उनकी बहन है। पहचान और रिश्ते की पुष्टि नहीं होने के कारण समिति ने बालिका को उनके साथ भेजने से इनकार कर दिया।

केबल काटने से 100 से अधिक घरों में छाया अंधेरा, कार्यवाही की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स, अनूपपुर। कोतमा के वार्ड क्रमांक 12 स्थित एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र की गोविंदा कॉलोनी में आधीरात को कबाड़ चोरों ने बिजली सब-स्टेशन को निशाना बनाते हुए करीब 20 हजार कीमती कॉपर केबल चोरी कर ले गए। चोरों ने सब-स्टेशन का ताला और चैनल गेट तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। केबल चोरी होने के बाद कॉलोनी के 100 से अधिक क्वार्टरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे पूरी रात कॉलोनी अंधेरे में डूबी रही। कबाड़ चोरों की करतूत से पूरी कॉलोनी में पानी का संकट भी छा गया।जानकारी के अनुसार, चोरों ने रात का फायदा उठाकर बिजली सब-स्टेशन में प्रवेश किया और कटर व अन्य औजारों की मदद से मुख्य सप्लाई की केबल काटकर ले गए। चोरी की गई केबल की कीमत 20 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है। बिजली गुल होने के बाद जब कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने सब-स्टेशन का निरीक्षण किया, तब केबल चोरी होने की जानकारी सामने आई है। अंधेरे में डूबी कॉलोनी, पानी की सप्लाई भी प्रभावितः कॉपर केबल चोरी के कारण गोविंदा कॉलोनी के 100 से अधिक परिवारों को कई घंटों तक बिजली के बिना रहना पड़ा। बिजली आपूर्ति बंद होने से पानी की व्यवस्था भी प्रभावित हुई। स्थानीय नागरिकों ने थाना प्रभारी से क्षेत्र में संचालित अवैध कबाड़ के अड्डों पर छापा मारते हुए कार्यवाही की मांग की गई।

भूमि विवाद पर बजरंग पावर इस्पात लिमिटेड के कर्मचारियों ने घर मे घुसकर की गाली- गलौच, घर तोड़ने की दी धमकी



दैनिक रेवांचल टाइम्स, उमरिया। जिले के पाली थाना क्षेत्र के घुंनघुटी चौकी अंतर्गत ग्राम गिठौरी में भूमि विवाद को लेकर मामला अब पुलिस थाने तक पहुंच गया है। बजरंग पावर इस्पात लिमिटेड, दियौरा वेस्ट के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। कार्रवाई की मांग को लेकर शिकायतकर्ता पक्ष के लोगों ने थाना परिसर में धरना शुरू कर दिया और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। शिकायत में भूमिस्वामियों ने बताया कि गिठौरी की भूमि से संबंधित न्यायालयीन प्रकरण फ्छर अ32/25 बाबूलाल बनाम शासन न्यायालय में विचाराधीन है। ग्रामीणों का आरोप है कि मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद कंपनी से जुड़े कर्मचारियों ने उनके घरों में जबरन प्रवेश किया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। शिकायतकताओं ने कंपनी के 10 कर्मचारियों खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि घर में प्रवेश करने के दौरान महिलाओं और परिजनों के साथ गाली-गलौज की गई तथा घर का सामान तोड़ दिया। शिकायत में जातिसूचक शब्द के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है। इसके अलावा शिकायतकताओं ने गलत तरीके से छूने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें कथित तौर पर दस दिनों के भीतर घर तोड़ दिए जाने की बात कही गई। शिकायत के बाद ग्रामीण पाली थाने में धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि जब तक पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू नहीं की जाती, तब तक वे अपना धरना समाप्त नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

करंट फैलाकर जंगली सूअर का किया शिकार,3 आरोपी गिरफ्तार मांस, औजार सहित सामग्री बरामद



दैनिक रेवांचल टाइम्स, अनूपपुर। वन परिक्षेत्र बिजुरी की टीम ने जंगली सूअर के शिकार के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। कार्यवाही को लेकर रेंजर पवन ताम्रकार ने बताया की वन परिक्षेत्र बिजुरी अंतर्गत कदमहा बीट के पश्चिम भेड़रीतलैया क्षेत्र में रात शिकारियों ने जंगली जानवर का शिकार करने के उद्देश्य से 11 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन से अवैध रूप से तार जोड़कर जंगल क्षेत्र में करीब 2 किलोमीटर तक करंट प्रवाहित किया था। करंट की चपेट में आने से एक जंगली सूअर की मौत हो गई। आरोपियों ने विद्युत तार के माध्यम से जंगल में अलग-अलग स्थानों पर करंट प्रवाहित करने के लिए खूंटियां लगाई थीं। जंगली सूअर की मौत के बाद आरोपियों ने उसके मांस को पकाकर खाने की तैयारी में थे। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से जंगली सूअर की हड्डियों एवं अन्य अवशेषों को जलाने का प्रयास भी किया गया।गुप्त सूचना पर वन विभाग ने की कार्रवाई की शिकार की। वन परिक्षेत्र अधिकारी पवन ताम्रकार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों बैसाखू पाव, महेश यादव और अरुण तिग्गा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम एवं संबंधित वन अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

संपादकीय

गांधी जी का रामराज्य और भारत

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। भारत के बारे हमारे देश के महापुरुषों की स्पष्ट कल्पना थी। वे भारत की जड़ों से बहुत गहरे तक जुड़े हुए थे। लेकिन आज भारत का जो स्वरूप हमारी आंखों के सामने है, वह भारत के महापुरूषों की मान्यताओं के अनरूप नहीं कहा जा सकता। आज जो बुराई दिखाई देती है, वह अंग्रेजी मानसिकता को अपनाने वाले कुछ लोगों की देन है। जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे। भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है। भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। कहीं न कहीं इन बातों को एक सांप्रदायिक बताने का खेल भी चल रहा है, लेकिन ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किए थे, गांधी जी ने उनका हृदय से अनुगमन किया और आत्मसात किया। इसीलिए वे भारत में इसके स्थापन का प्रयास करते दिखाई दिए। महात्मा गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों की उस नीति का भी विरोध किया, जो समाज में विभाजन की रेखा खींचती थी। इसलिए वे समाज में भाईचारे के भाव का विस्तार चाहते थे। महात्मा गांधी जैसा चाहते थे, उन्हें वैसा दृश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में दिखाई दिया। इसलिए वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नजदीक आते जा रहे थे। उन्होंने संघ के वर्धा शिविर में भाग लिया। वहां उन्होंने भेदभाव रहित समाज का दर्शन किया, जो उस समय उनकी कल्पना में अपेक्षित था। गांधी जी जानते थे कि सामाजिक एकता इस देश के लिए कितनी आवश्यक है। वर्तमान में समाज की फूट के चलते अनेक विसंगतियों का जन्म हो रहा है। व्यभिचार बढ़ रहे हैं। जो गांधी जी के विचार के प्रतिकूल है। गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। श्रीराम जी का जीवन एक ऐसा आदर्श है जो सबके लिए उत्थानकारी है। गांधी जी ने राम को भारतीय दृष्टि से देखा। आज के समाज से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह राम जी को संकुचित दायरे से न देखकर भारतीयता की दृष्टि से देखें। ऐसा करेंगे तो उन्हें राम अपने दिखाई देंगे, भारत के दिखाई देंगे। महात्मा गांधी का पूरा चिंतन भारत के विकास पर भी केंद्रित रहा। उन्होंने देश में स्वदेशी भावना को जगाने के लिए स्वयं के जीवन से कई उदाहरण दिए। आज बाजार में जिस प्रकार से विदेशी वस्तुओं का आक्रमण हुआ है, उसके कारण हमारे देश का पैसा विदेशी संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहा है। अपने देश का पैसा अपने देश में ही रहे, इसलिए गांधी जी ने स्वदेशी का विचार अपने जीवन में अपनाया और समाज को प्रेरित किया। आज इस भाव को इसलिए भी अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि आज भारत को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है, जो केवल स्वदेशी विचार से ही संभव है। इतना ही नहीं गांधी जी भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को भी देश के विकास का मजबूत आधार मानते थे। हालांकि अब भारत का समाज स्वदेशी की ओर जाग्रत भाव के साथ अग्रसर हुआ है। महात्मा गांधी गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध चाहते थे। हम जानते हैं गौ हमारे देश का अर्थशास्त्र है। गाय देश की आर्थिक उन्नति से जुड़ी है। देश में जब गौ आधारित खेती होती थी, तब देश धन धान्य से संपन्न था। धरती के सोना उगलने का समय भी यही था। वास्तव में गांधी जी का चिंतन अद्भुत था। उनका हर शब्द भारत की आत्मा ही था। हमें भारत की आत्मा को बचाना है तो गांधी जी विचारों को आत्मसात करना होगा। इसी से भारत की समृद्धि का मार्ग निर्मित होगा और हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था

महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। बिडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारी कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है। लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरूआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं।



महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें। त्योहारी सीजन में ये संस्थाएं कार्रवाइयां करती भी हैं।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध ह्यनवयुवकों से दो बातेंह्ण में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपराणयता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। कई बार तंत्र को जानकारी होती है कि फलां कारोबारी आटे में पत्थर का सफेद बुरादा मिला रहा है, चावलों में प्लास्टिक के दाने फेंट रहा है, दवाओं के सैंपल में गड़बड़ी कर रहा है, नकली मावे की मिठाई बेच रहा है, जाली शराब बिक रही है। वक्त पर इन गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टालरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं।पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुमार्ने का भी प्रावधान है। चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुमार्ना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करे। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुमार्ने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है। इस कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को "मिलावटी" माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुमार्ने, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है।

अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोका जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

राशिफल

मेष राशि :- व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होता रहेगा।

वृष राशि :- कलह, अभीष्ट सिद्धी, धन लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, कार्य अवश्य ही बनेंगे।

मिथुन राशि :- भय, व्यापार लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान, धन की परेशानी अवश्य बनेगी।

कर्क राशि :- विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, चिन्ता, धार्मिक कार्य, शुभ कार्य में विरोध होगा।

सिंह राशि :- स्त्री-संतान सुख, यात्रा बाधा, विवाद, आर्थिक कार्य, शुभ कार्य में विरोध होगा।

कन्या राशि :- भूमि-लाभ, प्रवास, कष्ट, व्यय भार बढ़ेगा, शुभ समाचार तथा प्रसन्नता का योग है।

तुला राशि :- कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री कष्ट, धन का व्यर्थ व्यय होगा, खर्च से परेशानी।

वृश्चिक राशि :- थोड़ा लाभ, खेती चिंता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक बनी रहेगी।

धनु राशि :- घरु सुख, हानि, उन्नत खेती योग मध्यम, कुछ अच्छे कार्य बनेंगे, कार्य का ध्यान रखें।

मकर राशि :- हर्ष, भूमि लाभ, यश, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में लाभ, व्यय बढ़चढ़ कर अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- भय, हानि, स्त्री सुख, कार्य सिद्धी, जमीन-जायजाद के कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन राशि :- विद्या बाधा, विवाद, चोरों से भय, पारिवारिक लोगों से लाभ, सफलता मिलेगी।

खतरनाक हो सकता है इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन, शरीर में कमी को पूरा करने के लिए अपनाएं ये तरीके

जब इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है तो शरीर में थकान और मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना और भ्रम जैसे हल्के से लेकर गंभीर लक्षणों का अनुभव होने लगता है। इसलिए इलेक्ट्रोलाइट के असंतुलन को रोकना जरुरी है। इसके लिए इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर तरल पदार्थों के साथ हाइड्रेटेड रहना जरुरी है।

गर्मियों में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन बढ़ती गर्मी और शारीरिक गतिविधि के कारण आम है, जिससे अत्यधिक पसीना आता है और शरीर में तरल पदार्थ की कमी हो जाती है। सोडियम, पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे प्रमुख इलेक्ट्रोलाइट्स मांसपेशियों



के संकुचन, तंत्रिका संकेत और हाइड्रेशन संतुलन सहित विभिन्न शारीरिक कार्यों को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जब इन इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है तो शरीर में थकान और मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना और भ्रम जैसे हल्के से लेकर गंभीर लक्षणों का अनुभव होने लगता है। इसलिए इलेक्ट्रोलाइट के असंतुलन को रोकना जरुरी है। इसके लिए इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर तरल पदार्थों के साथ हाइड्रेटेड रहना जरुरी है।

गर्मियों में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन को दूर करने के 6 तरीके

नियमित रूप से हाइड्रेट रहें- दिन भर में खूब सारे तरल पदार्थ पिएँ, खास तौर पर पानी। लंबे समय तक बाहरी गतिविधियों या भारी व्यायाम के लिए, खोए हुए खनिजों की पूर्ति के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त स्पोर्ट्स ड्रिंक पर विचार करें।

संतुलित आहार लें- अपने आहार में इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। केले, संतरे, पालक, एवोकाडो और दही पोटेशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं।

इलेक्ट्रोलाइट सप्लीमेंट्स का उपयोग करें- यदि आप अत्यधिक पसीना बहाते हैं या उच्च तीव्रता वाले व्यायाम में संलग्न हैं, तो इलेक्ट्रोलाइट सप्लीमेंट्स असंतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ये विभिन्न रूपों में उपलब्ध हैं, जिनमें टैबलेट, पाउडर और पेय शामिल हैं।

सोडियम का सेवन मॉनिटर करें- अगर आप अधिक पसीना बहाते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त मात्रा में सोडियम का सेवन कर रहे हैं। जबकि अत्यधिक सोडियम हानिकारक हो सकता है, एक मध्यम मात्रा आवश्यक है जो पसीने के माध्यम से खो जाता है।

अत्यधिक शराब और कैफीन के सेवन से बचें- शराब और कैफीन दोनों निर्जलीकरण और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन का कारण बन सकते हैं। इनके सेवन को सीमित करें और हाइड्रेटेड रहने के लिए इन पेय पदार्थों के साथ पानी पिएं।

लक्षणों को जल्दी पहचानें

इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के संकेतों से अवगत रहें, जैसे मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना या अनियमित दिल की धड़कन। जल्दी पहचान करने से त्वरित सुधारात्मक उपाय करने की अनुमति मिलती है, जैसे इलेक्ट्रोलाइट-समृद्ध पेय पीना या नमकीन स्नैक खाना।

किचन की इस चीज के इस्तेमाल से घने और लंबे होंगे बाल



कलौंजी हर किचन में मिलती है और इसको अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से कलौंजी वाले पानी से बालों को किस तरह से धोया जा सकता है। घर की बहुत सारी चीजों को घरेलू नुस्खे के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। रसोई में काला मसाला होता है, जो बालों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। कलौंजी हर किचन में मिलती है और इसको अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कलौंजी बालों को बढ़ाने में मददगार होता है।

कलौंजी हेयर डैमज को कम करने, बालों के प्रोटीन स्ट्रक्चर को मजबूत और हेयर फॉलिकल्स को बेहतर करने में कारगर है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से कलौंजी वाले पानी से बालों को किस तरह से धोया जा सकता है।

कलौंजी का पानी

कलौंजी का पानी सिर को धोने के लिए बेहद अच्छा ऑप्शन होता है। इस पानी को तैयार करने के लिए एक बर्तन में पानी लें और इसको उबालें। इस कलौंजी के बीजों को डालकर 15-20 मिनट तक उबालें। अब इस पानी को ठंडा करें और अब इस पानी को अपने स्कैल्प से लेकर बालों की जड़ों में अप्लाई करें। सप्ताह में 2-3 बार इस पानी को हेयर वॉश करने से बालों पर अच्छा असर देखने को मिलेगा और इससे बाल भी लंबे होंगे।

नारियल तेल

नारियल के तेल के साथ कलौंजी के बीजों को बालों पर अप्लाई किया जा सकता है। दो चम्मच कलौंजी का तेल और दो चम्मच नारियल तेल मिलाकर रखें। इन तेलों को मिक्स कर हल्का गर्म करें और रुई को डुबोकर इसको सिर की जड़ों में लगाएं। फिर इस तेल को बालों में 10-15 मिनट तक अप्लाई करने के बाद सिर को धो लें। यह तेल हेयर फॉल को रोकने में अच्छा असर दिखाता है।

मेथी दाने

एक चम्मच कलौंजी के दाने, एक चम्मच मेथी के दाने और 250 मिलीलीटर नारियल के तेल के साथ मिलाएं। फिर इसको आंच पर पका लें। इस तैयार तेल को बालों पर लगाने से बाल झड़ना कम होता है। इस तेल को बनाने का एक दूसरा भी तरीका है। इसके लिए मेथी और कलौंजी के दानों को एकसाथ पीसकर पाउडर बनाएं। फिर इस पाउडर को नारियल के तेल के साथ मिलाकर पकाने पर जो मिश्रण तैयार हो, उसे बालों पर लगाया जा सकता है।

बस रोजाना 5 मिनट कर लें यह एक्सरसाइज: बॉडी बनेंगी एकदम धांसू

स्वस्थ रहने के लिए बेहतर डाइट और एक्सरसाइज बहुत जरुरी है। हालांकि, आप सही डाइट और एक्सरसाइज का फायदा तभी है, जब आप इसे अपने डेली रुटीन का हिस्सा बनाएं। कई लोग एक या दो दिन डाइट और वर्कआउट रुटीन फॉलो कर सकते हैं। लेकिन, इससे रिजल्ट न मिलते देख, इसे छोड़ ही देते हैं। वहीं, प्लैंक एक्सरसाइज करने से बॉडी को कई फायदे मिलते हैं । इसे अगर आप रोजाना 5 मिनट वर्कआउट रुटीन में शामिल करेंगी, तो आपको शरीर में कुछ खास बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

वजन घटाने में फायदे : अगर आप वजन घटना चाहते हैं, तो आप रोजाना 5 मिनट प्लैंक एक्सरसाइज करने से कैलोरी बर्न होती है। इससे आप बॉडी में जमा हो रही एक्सट्रा चर्बी को घटा सकते हैं। यह एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है।



बॉडी पॉश्चर में सुधार : प्रतिदिन सिर्फ 5 मिनट के लिए प्लैंक एक्सरसाइज करने से आपकी कमर सीधी रहती है। इससे आपका बॉडी पॉश्चर ठीक रहता है और आप खुद को एक्टिव महसूस होगा।

कोर मसल्स में होगी मजबूती : भागदौड़ भरी जिंदगी में सिर्फ 5 मिनट यह एक्सरसाइज कर लें, फिर देखें चमत्कार। प्लैंक करने से कोर मसल्स को मजबूती मिलती है। इस एक्सरसाइज से कोर की सभी जरुरी मसल्स पर असर होता है।

कमर दर्द में आराम मिलेगा : प्लैंक करने से कमर दर्द में काफी आराम मिलता है। इसके साथ ही, कमर में होने वाली इंजरी का खतरा भी कम हो जाता है। रोजाना आप कम से कम 5 मिनट प्लैंक एक्सरसाइज करें।

बैलेंस में होगा सुधार

प्लैंक एक्सरसाइज करने से शरीर का बैलेंस ठीक हो सकता है। इस एक्सरसाइज से गर्दन में हो रहे दर्द से भी राहत मिलती है।

शरीर लचीला बनता है

प्लैंक्स करने से शरीर में लचीलापन बढ़ता है। इस एक्सरसाइज से कोलरबोन और कंधे तक की मसल्स स्ट्रेच होती है। इससे हिप मसल्स और बाइसेप्स का विकास होता है।



15 अगस्त का बिल 60, 26 जनवरी का 61 और फिर 15 अगस्त का 62; 41,300 के भुगतान पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

अरी पंचायत के टेंट बिलों में तारीख क्रमांक और लिखावट का खेल?



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जनपद पंचायत बरघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत अरी में राय टेंट हाउस से संबंधित तीन बिल सामने आने के बाद पंचायत के भुगतान और दस्तावेजी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। उपलब्ध बिलों के अनुसार बिल क्रमांक 60 दिनांक 15 अगस्त 2025, क्रमांक 61 दिनांक 26 जनवरी 2026 और क्रमांक 62 दिनांक 15 अगस्त 2026 का है। तीनों बिलों में कुल ?41,300 की राशि दर्शाई गई है।

एक साल में सिर्फ तीन बिल, वह भी पंचायत के नाम?

ग्रामीणों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह चर्चा में है कि 15 अगस्त 2025 से 15 अगस्त 2026 तक करीब एक वर्ष में बिल क्रमांक केवल 60 से 62 तक ही क्यों पहुंचा? ग्रामीणों का कहना है कि यदि टेंट हाउस द्वारा अन्य लोगों और आयोजनों को भी सामान उपलब्ध कराया जाता है तो इस अवधि में दूसरे ग्राहकों को जारी किए गए बिल कहां हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि पंचायत के लिए ही अलग बिल बुक अथवा अलग क्रम से बिल तैयार किए गए हों? इसकी वास्तविकता संबंधित टेंट हाउस की मूल बिल बुक और कार्बन कॉपियों की जांच से सामने आ सकती है।

बिल में सामान ज्यादा, मौके पर कम होने का दावा

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जिन आयोजनों के नाम पर बिल लगाए गए हैं, उन दिनों पंचायत में बिल में दर्शाई गई मात्रा में सामान नहीं लगा था। ग्रामीणों के अनुसार कुछ सामग्री जरूर लगाई गई थी, लेकिन बिल में दर्शाए गए पूरे टेंट, कुर्सियां, साउंड सिस्टम, गेट और सजावट का सामान मौके पर नहीं था। ग्रामीणों का दावा है कि संबंधित आयोजनों की दर्जनों फोटो उनके पास उपलब्ध हैं, जिनसे मौके पर लगी सामग्री का मिलान कराया जा सकता है।

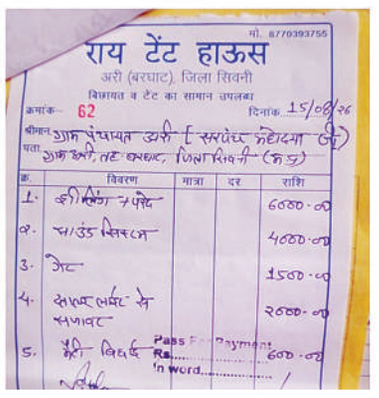
41,300 के बिल में मात्रा और दर का हिसाब स्पष्ट नहीं

तीनों बिलों में क्रमशः ?13,600, ?13,600 और ?14,100 की राशि दर्ज है। इनमें टेंट/शामियाना, साउंड सिस्टम, कुर्सी, गेट और सजावट जैसी मदें दिखाई देती हैं, लेकिन कई मदों में मात्रा और दर का स्पष्ट विवरण नहीं दिखता। ऐसे में भुगतान की गणना किस आधार पर की गई, यह भी जांच का विषय है।

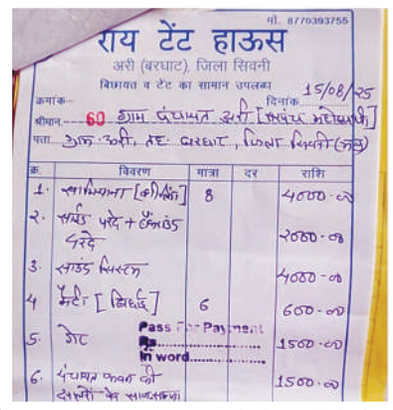
एक जैसी लिखावट ने बढ़ाया संदेह

तीनों बिलों को प्रथम दृष्टया देखने पर लिखावट काफी हद तक एक जैसी नजर आती है। इससे सवाल उठ रहा है कि क्या अलग-अलग तारीखों के ये बिल एक ही व्यक्ति द्वारा और एक ही तरीके से तैयार किए गए? केवल लिखावट के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है, लेकिन मूल बिल बुक, कार्बन कॉपी और उसी अवधि के अन्य बिलों से इसका सत्यापन किया जा सकता है।

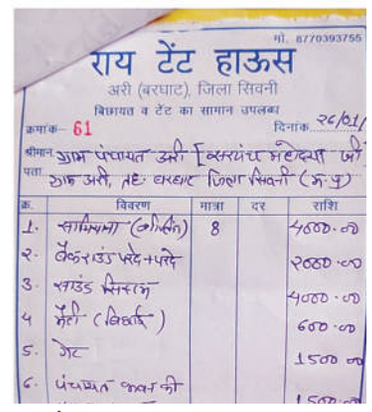
← पंचायत दर्पण 5.8



← पंचायत दर्पण 5.8



← पंचायत दर्पण 5.8



बिल कब बना और पंचायत में कब लगा?

अब जांच का महत्वपूर्ण बिंदु यह भी है कि बिलों पर दर्ज तारीख के अलावा ये बिल पंचायत कार्यालय में किस तारीख को प्रस्तुत किए गए और भुगतान कब स्वीकृत हुआ। इसके लिए बिल प्राप्ति रजिस्टर, भुगतान वाउचर, कैशबुक/बैंक रिकॉर्ड और संबंधित प्रस्ताव की जांच जरूरी है।

मूल बिल बुक खुली तो सामने आ सकती है पूरी तस्वीर

मामले में ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित टेंट हाउस की मूल बिल बुक क्रमांक 60 से आगे तक, कार्बन कॉपी, अन्य ग्राहकों को जारी बिल, पंचायत के भुगतान रिकॉर्ड तथा कार्यक्रमों की फोटो-वीडियो का मिलान कराया जाए। इससे यह स्पष्ट हो सकता है कि बिल वास्तव में आयोजन के समय जारी किए गए थे या बाद में पंचायत में लगाए गए। फिलहाल उपलब्ध बिलों के आधार पर किसी वित्तीय अनियमितता का अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन बिल क्रमांक, तारीख, लिखावट, सामग्री की मात्रा और भुगतान प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों ने जांच की जरूरत जरूर पैदा कर दी है। अब देखना यह है कि ग्राम पंचायत अरी और जनपद पंचायत बरघाट के रिकॉर्ड की जांच में इन सवालों के क्या जवाब सामने आते हैं।

सिवनी में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में जुटे प्रदेशभर के 360 खिलाड़ी और 60 ऑफिशियल्स, बालक-बालिका वर्ग में रोमांचक मुकाबलों का आगाज



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- नगर के एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में 3 अक्टूबर को 70वीं राज्य स्तरीय शालेय हॉकी 17 वर्ष आयु वर्ग बालक एवं बालिका प्रतियोगिता का गरिमामय शुभारंभ हुआ। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, नर्मदापुरम, सागर, शहडोल संभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग की टीमों के 360 खिलाड़ी एवं 60 ऑफिशियल्स शामिल हो रहे हैं।

दीप प्रज्वलन और मार्चपास्ट से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। अतिथियों ने मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने की। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री कृष्णलाल चंदानी रहे। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया सहित खेल एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल अनुशासन और टीम भावना सिखाता है : कलेक्टर

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन और टीम भावना का महत्व सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि सिवनी का एस्ट्रो टर्फ मैदान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रतियोगिता से मध्यप्रदेश को कई प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी मिलेंगे। पुलिस अधीक्षक श्री कृष्णलाल चंदानी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना और समर्पण है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के सुरक्षित एवं सुखद प्रवास की कामना की।

जबलपुर ने शहडोल को 6-0 से हराया

औपचारिक उद्घाटन के बाद अतिथियों ने हॉकी स्टिक से गेंद को हिट कर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। उद्घाटन मुकाबलों में बालक वर्ग में जबलपुर ने शहडोल को 6-0 से पराजित किया, जबकि नर्मदापुरम ने भोपाल को 4-3 से हराया। इंदौर और सागर के बीच मुकाबला 4-4 की बराबरी पर समाप्त हुआ। बालिका वर्ग में जनजातीय कार्य विभाग की टीम ने ग्वालियर को पराजित किया। मुकाबलों के दौरान बड़ी संख्या में खेलप्रेमी स्टेडियम में मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता आगामी दिनों तक जारी रहेगी, जिसमें बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका असद खान, निलेश चौरे, सादाब खान, कृतिका चंद्रा, रविश कुरेशी, फैजल खान, साकिर हुसैन, इमरान युसूब, प्रियंका ठाकुर, आरती विश्वकर्मा, साबाज खान एवं देवेंद्र ठाकुर ने निभाई। मंच संचालन श्री संदीप मिश्रा, पीटीआई ने किया।

अग्रकुल के लोगों ने किया रक्तदान, 50 यूनिट रक्त एकत्रित

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- अग्रकुल प्रवर्तक श्री 1008 महाराजा अग्रसेन का 5180वां जन्मोत्सव समारोह सिवनी अग्रवाल समाज द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। जन्मोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में 3 अक्टूबर को जबलपुर रोड लूघरवाड़ा स्थित श्री अग्रसेन भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाज समिति के अध्यक्ष-सचिव, पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों एवं सदस्यों की उपस्थिति में महाराज श्री अग्रसेन के पूजन के साथ शिविर का शुभारंभ हुआ।



समाज के महिला-पुरुषों के साथ युवक-युवतियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान में सहभागिता की। जिला अस्पताल ब्लड बैंक एवं मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्तदाताओं का ब्लड प्रेशर सहित आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद रक्तदान कराया। शिविर में 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं जरूरतमंदों के उपयोग में आएगा। शिविर में कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि पहली बार रक्तदान करने का अनुभव अच्छा रहा, क्योंकि उनका रक्त किसी बीमार अथवा जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में उपयोगी हो सकेगा। शिविर में डॉ. प्रियंका खंडेलवाल के अलावा लैब टेक्नीशियन संतोष कुमार डेहरिया, राजेश तिवारी, दीपशिखा डहरवाल, ऑपरेटर क्षत्रपाल सिंह जंघेला, सहायक प्रकाश नरेती, लैब टेक्नीशियन संजय ठाकुर, सहायक सैय्यद मकसूद अली एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहा।

बजरंगबली के जयकारों से गूंजा भवन

रक्तदान शिविर के बाद शाम 4 बजे से संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कलाकारों के साथ बड़ी संख्या में सामाजिकजनों ने सहभागिता की। करीब दो घंटे चले सुंदरकांड पाठ के दौरान श्री अग्रसेन भवन परिसर श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। अग्रवाल समाज समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं उपस्थितजनों ने श्रीराम दरबार एवं पवनसुत हनुमान का विधिवत पूजन-अर्चन किया। दीप प्रज्वलन के साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ हुआ।

निःशुल्क योग शिविर भी शुरू

दुर्गा चौक स्थित अग्रवाल धर्मशाला में शनिवार सुबह 6:30 बजे से सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का शुभारंभ किया गया, जो 9 अक्टूबर तक नियमित रूप से संचालित होगा। महाराजा श्री अग्रसेन जन्मोत्सव से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ 8 अक्टूबर को ध्वजारोहण के साथ होगा, जो 11 अक्टूबर तक जारी रहेंगे। सिवनी अग्रवाल समाज समिति द्वारा नवरात्रि प्रतिपदा के अवसर पर महाराजा श्री अग्रसेन का जन्मोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

सिवनी में संपादक पर हुए पिछले हमले की घटना के बाद फिर पत्रकार की सुरक्षा का मुद्दा

चर्चा में; सवाल–क्या इस बार बिना दबाव हमले के पीछे की पूरी कड़ी तक पहुंचेगी पुलिस?

पत्रकार के घर पहुंचकर हमले के आरोप बादलपार में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- कुरई थाना क्षेत्र के बादलपार में एक पत्रकार के घर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। पत्रकार बिहारी लाल सोनी के अनुसार अशोक शरणागत, उनके भाई दिनेश शरणागत और पुत्र तुषार शरणागत उनके घर पहुंचे और विवाद करते हुए उनके साथ अभद्रता एवं मारपीट का प्रयास किया। पत्रकार का आरोप है कि विवाद का संबंध उनके द्वारा प्रकाशित खबरों से जुड़ी नाराजगी से है।

खबरों से नाराजगी को लेकर विवाद का आरोप

पत्रकार का कहना है कि बादलपार विद्युत वितरण केंद्र सहित कुछ अन्य मामलों से संबंधित खबरें प्रकाशित किए जाने के बाद से उन्हें लगातार दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। उनका आरोप है कि पूर्व में भी उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई थी। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

एफआईआर की मांग, एनसीआर दर्ज करने का आरोप

घटना के बाद पत्रकार बादलपार पुलिस चौकी पहुंचे और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पत्रकार का आरोप है कि उन्होंने एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया, लेकिन पुलिस द्वारा एनसीआर दर्ज की गई। उन्होंने चौकी प्रभारी की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सिवनी की संपादक पर हमले की घटना भी चर्चा में

बादलपार की इस घटना ने जिले में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले सिवनी में एक समाचार पत्र के संपादक पर हमले की घटना भी सामने आ चुकी है। दोनों घटनाओं में पीड़ितों की भूमिका अलग है–सिवनी की घटना में संपादक और बादलपार की घटना में पत्रकार प्रभावित पक्ष हैं–लेकिन दोनों मामलों ने समाचार प्रकाशित करने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

क्या बिना दबाव होगी कार्रवाई?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि बादलपार मामले में पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की कितनी निष्पक्षता से जांच करती है और यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध क्या कार्रवाई होती है। पत्रकार संगठनों से जुड़े लोगों ने भी मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस का पक्ष सामने आने के बाद मामले की वास्तविक स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

वनवासी विकास परिषद के तत्वावधान में खेल प्रतियोगिता का आयोजन, चयनित प्रतिभागियों को सतना में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मिलेगा अवसर

धनोरा में 25 अक्टूबर को होगी गोला फेंक व भाला फेंक प्रतियोगिता

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- वनवासी विकास परिषद सिवनी की आयोजित बैठक में आगामी खेल प्रतियोगिताओं को लेकर चर्चा की गई। इस वर्ष परिषद से जुड़े प्रतिभागियों के लिए घंसौर, छपारा और धनोरा क्षेत्र में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 25 अक्टूबर को धनोरा में खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में गोला फेंक, भाला फेंक, 100 मीटर, 800 मीटर दौड़ सहित विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित प्रतिभागियों को आगे सतना में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा।



सामाजिक समरसता पर भी होगी गोष्ठी- बैठक में खेल गतिविधियों के साथ सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गोष्ठी आयोजित करने को लेकर भी चर्चा की गई। परिषद पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में परिषद के संयोजक नाथूराम धुर्वे, जगदीश टापिस, डॉ. आरके चतुर्वेदी, रमेश श्रीवास्तव, दुगार्शंकर श्रीवास्तव, गणेश गुप्ता, पहलाद नाविक, अरुण परमार, रामगोपाल ताम्रकार, महेश नामदेव, भुवन ग्रेवाल, लवकुश यादव, लक्ष्मीनारायण सनोदिया, महेंद्र सिंह सिंगोतिया, अरविंद राठौर सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नगरपालिका में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 3 अक्टूबर 2026 को नगर पालिका सिवनी के मानस भवन में निकाय के अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने शिविर में नगर पालिका के 170 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर के दौरान चिकित्सकों द्वारा आवश्यक स्वास्थ्य जांच के साथ जरूरतमंद कर्मचारियों को निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ जीवनशैली तथा विभिन्न रोगों से बचाव के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी।

नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ ने भी कराया स्वास्थ्य परीक्षण- शिविर में नगरपालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री दिशा डेहरिया ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम सहित नगरपालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्व निरीक्षक गजेन्द्र पाण्डे, सहायक यंत्री/उपयंत्री, स्वच्छता निरीक्षक राज पवमे, तुलसी करोसिया, स्वच्छता पर्यवेक्षक अभय बघेल एवं सुशांत पाण्डे सहित निकाय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

आठवीं तक का सिलेबस 31 जनवरी तक होगा पूरा

1 फरवरी से जनगणना में लगेगी शिक्षकों की ड्यूटी; राज्य शिक्षा केंद्र ने ऑर्डर को दिए निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों का पाठ्यक्रम इस शैक्षणिक सत्र में 31 जनवरी तक पूरा कराया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल ने आगामी 1 फरवरी से शुरू होने वाले जनगणना के दूसरे चरण को देखते हुए यह निर्देश जारी किए हैं। जनगणना के राष्ट्रीय महत्व के कार्य में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी प्रभावित न हो, इसलिए पाठ्यक्रम पूरा कराने को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है।



चार माह में पूरा कराना होगा बकाया कोर्स : राज्य शिक्षा केंद्र ने शिक्षा सत्र 2026-27 के तहत सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) और जिला परियोजना समन्वयकों (डीपीसी) को निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि अपने जिले के विद्यालयों में पढ़ाई के लिए बकाया पाठ्यक्रम चार माह में पूरा कराया जाए। शैक्षणिक कैलेंडर में विषय-वस्तु का विभाजन 9 माह में और 10वें माह में वार्षिक मूल्यांकन के रूप में किया गया है।

जरूरत के अनुसार समय-सारणी में बदलाव : निर्देशों में कहा गया है कि आवश्यकता के अनुसार शाला की समय-सारणी में संशोधन करते हुए 1 फरवरी से पहले पाठ्यक्रम पूरा कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। जनगणना के दौरान विद्यालयों में शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोर्स के साथ दक्षता हासिल करना जरूरी : विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम 31 जनवरी तक पूर्ण कराने के साथ यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि विद्यार्थियों ने अपेक्षित दक्षताएं प्राप्त कर ली हों। राज्य शिक्षा केंद्र ने संबंधित अधिकारियों को निदेर्शों का पालन करने और विद्यालयों में शैक्षणिक कार्य व्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

हार्वेस्टर से टकराई कार, युवक की गर्दन धड़ से अलग

बैतूल। बैतूल-इंदौर फोरलेन पर चिचोली थाना क्षेत्र के कुम्हली-दनोरा के बीच शुक्रवार रात कार और हार्वेस्टर की टक्कर हो गई। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें कार सवार 20 वर्षीय अंकित चंदेल की मौके पर मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई। उसका साथी रेमोन पवार गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बैतूल से प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार गढ़ा निवासी अंकित चंदेल फार्मेसी का छात्र था और मेडिकल पर भी काम करता था। वह दो भाइयों में बड़ा था। शुक्रवार रात वह अपने दोस्त रेमोन पवार के साथ कार क्रमांक एमपी48 जेडई1111 से बैतूल से चिचोली की ओर जा रहा था। कुम्हली-दनोरा के बीच कार आगे चल रहे हार्वेस्टर क्रमांक HR01 BA 5049 से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। सूचना पर बंसल कंपनी की एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और घायल रेमोन को अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे नागपुर रेफर किया गया। चिचोली थाना प्रभारी हरिओम पटेल ने बताया कि हादसे के बाद हार्वेस्टर चालक मौके से भाग गया। पुलिस को हार्वेस्टर संचालक की जानकारी मिल गई है और चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने हार्वेस्टर जब्त कर लिया है। अंकित के शव का चिचोली अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की परिस्थितियों और हार्वेस्टर चालक की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

6 हजार व्यवसायिक शिक्षकों के पक्ष में सरकार का फैसला

13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म, कर्मचारियों को नहीं हटा पाएंगी नई कंपनियां

भोपाल। मध्य प्रदेश में विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा से जुड़े आउटसोर्स व्यवसायिक शिक्षकों को अब कोई नई कम्पनी सेवा से नहीं हटा पाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसके आदेश जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश में अलग-अलग ट्रेड के लिए काम कर रहीं 13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म कर नई कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन नई कंपनियों को पहले से काम कर रहे कर्मचारियों को सेवा में रखना होगा। उन्हें कम्पनी हटा नहीं सकेगी। प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या 6 हजार है।

स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े. आउटसोर्स व्यावसायिक शिक्षक यथावत काम करते रहेंगे। समग्र शिक्षा की ओर 13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म करते हुए व्यावसायिक प्रशिक्षकों को यथावत काम करते रहने का आदेश जारी किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा में 50 से अधिक कंपनियां काम करती हैं, जो आउटसोर्स व्यावसायिक प्रशिक्षकों को लगातार परेशान करती थीं। इनके द्वारा पैसे लेकर जॉइनिंग देना, नियुक्ति करना आम बात हो गई थी जिसके खिलाफ दो महीने पहले व्यावसायिक शिक्षकों ने भोपाल में दो दिवसीय आंदोलन किया था। पहले दिन अंबेडकर पार्क में धरना दिया, दूसरे दिन डीपीआई का घेराव किया। इसके बाद आयुक्त से हुई चर्चा के बाद यह आदेश आया है, जिसे नौकरी में सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय माना जा सकता है।

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने इसे संघर्ष की जीत बताते हुए प्रदेश के



व्यावसायिक प्रशिक्षकों को बधाई दी और बिचौलियों को पूरी तरह भगाने के संघर्ष को ताकत देने का आव्हान किया है। शर्मा ने कहा है कि इस जीत ने साबित किया है कि संघर्ष से सब कुछ हासिल किया जा सकता है, बशर्ते संघर्ष की दिशा सही हो। इसको लेकर 10 अक्टूबर को भी आंदोलन प्रस्तावित है।

रिव्यू मीटिंग में इन कंपनियों के साथ एग्रीमेंट खत्म : लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश में बताया है कि जिन कम्पनियों का एग्रीमेंट खत्म कर दिया गया है उनमें एग्रीकल्चर ट्रेड की आकाश एग्री सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, वालेअर फैबटेक्स प्राइवेट लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर ट्रेड की एसेंसिव एडुकेयर लिमिटेड, टाइम्स सेंटर फॉर लर्निंग लिमिटेड, अल्टीमेट एनर्जी, अपारेल ट्रेड की ब्राइट फ्यूचर डॉट कॉम स्किल प्राइवेट लिमिटेड, हेल्थकेयर ट्रेड की डीसीआई मल्टी स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, आईटी, आईटीज ट्रेड की एवरग्रीन एजुकेशन ट्रस्ट, जीके एजुकेशनल ट्रस्ट, आईसीए एजुस्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडस एजुट्रेन प्राइवेट लिमिटेड, एलएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ब्यूटी एंड वेलनेस ट्रेड की वीएलसीसी हेल्थकेयर शामिल हैं। इंडस एजुट्रेन प्राइवेट लिमिटेड का आईटी और आईटीज ट्रेड के अलावा दूसरे एग्रीमेंट खत्म नहीं किए गए हैं।

विभाग की कार्रवाई से वेतन भुगतान की समस्या के सवाल उठे : उधर, नवीन व्यावसायिक शिक्षक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश परमार ने कहा कि हम बच्चों को हुनर सिखाकर आत्मनिर्भर भारत बना रहे हैं, लेकिन हमें ही सम्मान और वेतन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। व्यावसायिक प्रशिक्षकों के सामने विभाग के इस निर्णय से असहज स्थिति पैदा हो गई है। डीपीआई द्वारा 13 वीटीपी का अनुबंध निरस्त किए जाने के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि जिन वीटीपी का अनुबंध निरस्त हुआ है, उनकी लंबित सैलरी कौन देगा। स्कूल बदलने पर पुराने प्रशिक्षक के बकाया वेतन के भुगतान का क्या रोडमैप है? पहले ही कई वीटीपी चार से पांच महीने का वेतन नहीं दे पाए हैं। अब उन्हें 300 से 350 स्कूल और दे दिए गए हैं तो वे प्रशिक्षकों का भुगतान कैसे कर पाएंगे? ऐसी स्थिति में भविष्य में वेतन भुगतान में और देरी की आशंका है।

इससे प्रशिक्षकों और वीटीपी के बीच विवाद बढ़ सकता है। यह वीटीपी हटाओ अभियान की शुरूआत भी हो सकती है। हमें उम्मीद है कि विभाग ने इसका रास्ता जरूर निकाल लिया होगा। संगठन इस मामले में विभाग के साथ पत्राचार करेगा और वेतन भुगतान की मांग करेगा। अगर सुनवाई नहीं हुई तो हड़ताल का रास्ता अपनाया जा सकता है।

बालाघाट में 400 करोड़ रुपए के काम होंगे

बच्चों की मौत वाले इलाकों में 20 हेल्थ सेंटर बनेंगे; सड़क, पानी पर भी फोकस

भोपाल। बालाघाट के जिन आदिवासी इलाकों में कुपोषण और बीमारी से बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं, वहां अब बुनियादी सुविधाएं बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। सरकार पांच ब्लॉक किरनापुर, बिरसा, लांजी, बैहर और परसवाड़ा में करीब 1,500 कामों पर एक साल में लगभग 400 करोड़ रुपए खर्च करेगी। योजना में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य केंद्र, पुलिया, स्टॉप डैम, सामुदायिक भवन और राशन दुकानों समेत कई काम शामिल हैं। मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने योजना को सैद्धांतिक सहमति दे दी है और काम शुरू हो गया है। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी पूरे प्लान की जानकारी दी गई। 13 विभाग मिलकर योजना को जमीन पर उतारेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मुख्य सचिव इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जबकि जनजातीय विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा विभागों के बीच समन्वय कर रहे हैं।

151 सड़क और सीसी रोड पर खर्च होंगे 269 करोड़

योजना में सबसे ज्यादा राशि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जरिए खर्च होगी। पांचों ब्लॉक में 151 सड़क और सीसी रोड के काम



किए जाएंगे, जिन पर 268.94 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा 69 पुलिया और कल्वर्ट के लिए 34.02 करोड़ तथा 60 स्टॉप डैम के लिए 35.97 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

20 से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण

पांचों ब्लॉक में 20 से ज्यादा हेल्थ सेंटर यानी आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे। सामुदायिक और उपस्वास्थ्य केंद्रों के भवन भी तैयार किए जाएंगे। इन केंद्रों में बिजली की व्यवस्था के लिए सोलर पैनल लगाए जाएंगे।

जिन गांवों में बच्चों की मौत, वहां सुविधाओं पर फोकस : डोंगरगांव, बोंदारी, कोंडेकसा, मछरदा, मातला और कोरका जैसे बैगा-गोंड बहुल गांवों में कुपोषण और बीमारी से बच्चों की मौत के मामले सामने आए थे। अब इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। पांचों ब्लॉक में पेयजल की जिम्मेदारी पीएचई को दी गई है। किरनापुर और लांजी में नल-जल योजना का काम पूरा हो चुका है। जिन गांवों में नल-जल योजना के मापदंड पूरे नहीं होते, वहां पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

रायसेन में चलती बाइक पर जंगली जानवर का हमला

परिजन-ग्रामीण टाइगर बता रहे; वन विभाग सर्चिंग में जुटा

रायसेन। रायसेन जिले में शुक्रवार देर शाम एक बुजुर्ग पर जानवर के हमले का मामला सामने आया है। घायल के परिजन और ग्रामीण हमलावर जानवर को टाइगर बता रहे हैं। घटना में 65 वर्षीय बीना राम बंजारा घायल हो गए। उनके हाथ में चोट आई है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।



जानकारी के अनुसार, बीना राम बंजारा अपने पोते जगदीश बंजारा के साथ बाइक से चिलवाहा से बड़कुई की ओर जा रहे थे। बाइक जगदीश चला रहा था और बीना राम पीछे बैठे थे। इसी दौरान रास्ते में जंगल की ओर से अचानक एक जानवर निकलकर चलती बाइक पर हमला कर दिया। हमले से दोनों घबरा गए और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। इसी दौरान जानवर ने बीना राम का हाथ अपने जबड़े में दबोच लिया।

वन अमला सर्चिंग में जुटा

शोर सुनकर कुछ देर बाद जानवर बीना राम को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी गई। शुक्रवार रात करीब 9 बजे घायल बीना राम को जिला अस्पताल रायसेन लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका उपचार किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी जिला अस्पताल पहुंची। वहीं, वन विभाग द्वारा घटनास्थल के आसपास सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। हमलावर जानवर टाइगर था या कोई अन्य जंगली जानवर, इसकी पुष्टि वन विभाग की जांच के बाद ही हो सकेगी।

मप्र के 50 लाख श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ा

6 रु. रोज की बढ़ोतरी, उद्योगों और सरकारी विभागों में काम करने वालों को फायदा

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजी सेक्टर में काम करने वाले करीब 50 लाख श्रमिकों को एक अक्टूबर से 6 रुपए प्रतिदिन के मान से बढ़ा हुआ परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जाएगा। श्रम विभाग ने प्रदेश के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन दरों में बदलाव कर दिया है। 27 मार्च 2027 तक लागू रहने वाली इन नई दरों में बदलाव में सरकारी क्षेत्रों के 10 लाख और निजी सेक्टर खासतौर पर उद्योगों में काम कने वाले करीब 40 लाख श्रमिकों को न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के अंतर्गत यह लाभ मिलेगा, इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ता भी शामिल है। श्रमायुक्त ने यह बदलाव महंगाई सूचकांक के आधार पर किया है। श्रमायुक्त शीतला पटले द्वारा जारी आदेश में नई न्यूनतम वेतन दरें प्रतिदिन श्रम के आधार पर तय की गई हैं, जिसमें 67 सामान्य नियोजन में काम करने वाले श्रमिकों को 26 दिन के आधार पर न्यूनतम वेतन इस तरह दिया जाएगा। इन 67 कैटेगरी में काम करने वालों को इसी आधार पर आने वाले समय में वेतन मिलेगा। अकुशल श्रमिक को महीने में 12575, अर्द्धकुशल श्रमिक को 13571, कुशल श्रमिक को 15294 और उच्च कुशल श्रमिक को 16919 रुपए प्रतिमाह वेतन मिलेगा जो 26 दिन के मान से दिया जाएगा।

मुद्रणालय (प्रिंटिंग प्रेस) और कृषि सेक्टर में काम करने वालों का वेतन :



लिपिकीय वर्ग में अकुशल श्रमिक को ?484, श्रेणी 1 को ?588, श्रेणी 2 को ?522 रुपए 26 दिन के मान से मासिक वेतन मिलेगा। उच्च कुशल श्रमिक को ?651 मिलेंगे और इसमें भी श्रेणी एक को 648 रुपए, श्रेणी दो के श्रमिक को 634 और श्रेणी तीन के श्रमिक को 588 रुपए मिलेंगे। अर्द्धकुशल कैटेगरी में श्रेणी एक के श्रमिक को 588 और श्रेणी दो के श्रमिक को 522 रुपए प्रति दिन मिलेंगे।

अगरबत्ती श्रमिकों के लिए नई दरें: अगरबत्ती रोलिंग (1000 अगरबत्ती रोल करने पर)- कुल ?74.75 **सुगंधित (सेंटेड) स्टिक- कुल ?75**

छह माह पहले बढ़ाए थे 9 रुपए प्रतिदिन : श्रम विभाग ने 1 अप्रैल 2026 से नई न्यूनतम वेतन दरें लागू की थीं। इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के कारण श्रमिकों के वेतन में औसतन ?9 प्रतिदिन यानी करीब ?234 मासिक की बढ़ोतरी हुई थी। इसका फायदा सरकारी विभागों के करीब 10 लाख और निजी सेक्टर व उद्योगों के लगभग 40 लाख श्रमिकों को हुआ था।

मप्र का नौरादेही बनेगा चीतों का तीसरा ठिकाना

7 अक्टूबर को कूनो से आएंगे 2 जीते, सीएम मोहन यादव करेंगे रिलीज

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीतों के तीसरे ठिकाने की शुरूआत होगी। 7 अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 25 साल पूरे होने जा रहे हैं। इसी दिन वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते लाकर छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोनों चीतों को रिलीज करेंगे। कूनो से नर थोलो और मादा उज्ज-3 को नौरादेही लाया जाएगा। उज्ज-3 गांधी सागर में छोड़ी गई राधा की बहन है। चीता स्टीयरिंग कमेटी ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में कुल 4 चीतों को बसाने की मंजूरी दी है। शुरूआत 2 चीतों से होगी। कूनो और गांधी सागर के बाद नौरादेही प्रदेश में चीतों का तीसरा ठिकाना बन जाएगा।



2,340 वर्ग किमी में फैला है नौरादेही : वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व 2,340 वर्ग किमी में फैला मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। यहां खुले जंगल और लंबे घास के मैदान हैं। यह नर्मदा, बेतवा और केन नदी प्रणालियों का कैचमेंट भी है।

439 हेक्टेयर के बोमा में रखेंगे चीते : चीते पहले 439 हेक्टेयर के सॉफ्ट रिलीज बोमा में रहेंगे। यह भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क जितना बड़ा है। 5 हिस्सों वाले बोमा में पावर फेंसिंग और 24 घंटे ट्रैकिंग की व्यवस्था है।

गुजरात के बन्नी में भी बसाने की तैयारी : गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड में भी चीते बसाने की तैयारी चल रही है, लेकिन वहां रिलीज की तारीख तय नहीं है। मध्यप्रदेश में 7 अक्टूबर को नौरादेही में पहला जोड़ा पहुंच जाएगा।

अभी कूनो में 51, गांधी सागर में 4 चीते : कूनो नेशनल पार्क श्योपुर में 51 और गांधी सागर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी मंदसौर-नीमच में 4 चीते हैं। नौरादेही में 2 चीतों की पहली रिलीज के बाद प्रदेश में चीतों के 3 ठिकाने हो जाएंगे।

घास के मैदान और आहार होने से संघर्ष का खतरा कम : वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में काफी पहले चीतों के प्राकृतिक वास के प्रमाण मिले थे। यहां घास के खुले मैदान हैं। नौरादेही से गांवों के विस्थापन के साथ मैदान और फैल रहे हैं। यहां चीते लंबी दौड़ के साथ शिकार कर सकते हैं। टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 1414 वर्ग किमी है। बफर एरिया 925.120 वर्ग किमी का है। जबकि टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 2339 वर्ग किमी में फैला है। चीतों को रखने के लिए मैदान चिंहित भी किए जा रहे हैं। यह क्षेत्रफल के लिहाज से प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। टाइगर रिजर्व में चीतों को शिकार के लिए चिंकारा, चीतल व काले हिरण की पर्याप्त संख्या है। यही वजह है कि यहां बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। चीतों की यहां बाघ, तेंदुओं से टकराव जैसी स्थिति बनने की आशंका नहीं है।

मादा बाघिन का तीसरा शिकारी भी गिरफ्तार

मंडीदीप। रातापानी टाइगर रिजर्व से लगे राजस्व क्षेत्र के एक धान के खेत में मादा बाघिन का शव मिला था। इस मामले में वन विभाग ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट के आदेश पर तीनों को जेल भेज दिया गया है। अधीक्षक राजकुमार शिवहरे ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला कि खेत में लगाए गए करंट से बाघिन की मौत हुई थी। फरार तीसरे आरोपी सरदार बारेला को शुक्रवार को पकड़ा गया और कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इससे पहले, दो आरोपी जसमन बारेला और भूरा बारेला को बुधवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें भी जेल भेज दिया गया था। यह कार्रवाई वन मंडल अधिकारी हेमंत रैकवार ओबेदुल्लागंज के मार्गदर्शन और अधीक्षक राजकुमार शिवहरे के नेतृत्व में परिक्षेत्र अधिकारी गोविंद रॉय और उनकी टीम के प्रयासों से संभव हुई। मामले में आगे की जांच जारी है।

रायसेन जिला पंचायत वार्ड-3 उपचुनाव में पूजा चौकसे की जीत



6 राउंड की मतगणना में 4900 वोटों से जीतीं; बोलीं- यह सत्य की विजय

रायसेन। रायसेन के जिला पंचायत के वार्ड-3 उपचुनाव में पूजा राकेश चौकसे ने 4900 वोटों से जीत दर्ज की। मतगणना शनिवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज में 6 राउंड में पूरी हुई। नतीजे आने के बाद समर्थकों में खुशी का माहौल रहा। मतगणना के दौरान प्रेक्षक निसार अहमद खान, जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार विश्वकर्मा और एसपी आशुतोष गुप्ता ने मतगणना स्थल का दौरा किया। उन्होंने उप जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज उपाध्याय से जानकारी ली। उन्होंने इसे 'सत्य की विजय' बताया। चौकसे ने सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी थी। सीट खाली होने के बाद दोबारा चुनाव जीतकर उन्होंने जीत हासिल की। पूजा चौकसे ने वार्ड के मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा अहम है। उन्होंने इलाके में रूढ़िवादी सोच और व्यवस्थाओं को दूर करने की बात कही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता कर्मियों का किया सम्मान

स्वच्छता कर्मियों का कराया स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण





दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गांधी जयंती के अवसर पर सेवा मेरा योगदान एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के नगरीय निकायों में स्वच्छता कर्मियों के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर पालिका परिषद गोटेगांव एवं नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रमों में स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नरसिंहपुर नीरज दुबे, उपाध्यक्ष अजीत ठाकुर, नगर पालिका गोटेगांव के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, समाजसेवी रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं स्वच्छता कर्मी उपस्थित रहे। गोटेगांव में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मियों के सम्मान के साथ उनके स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया।

सफाई कर्मियों का कराया स्वास्थ्य परीक्षण : विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि स्वच्छता कर्मी हमारे नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे प्रतिदिन मेहनत और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। इनके योगदान का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है, क्योंकि वे



प्रतिदिन स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कार्य करते हैं। इसी उद्देश्य से कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने नागरिकों से भी स्वच्छता कर्मियों के कार्य में सहयोग करने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। नगर परिषद तेंदूखेड़ा में भी स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा गया कि वे प्रतिदिन अपने दायित्वों का निर्वहन कर नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके परिश्रम एवं सेवाभाव के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

स्वच्छता के प्रति किया जागरूक : पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा है और सेवा ही धर्म है। स्वच्छता का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के लिए स्वच्छता कर्मी निरंतर परिश्रम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से देशभर में स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता आई है। जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कर्मी निरंतर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्री पटेल ने नागरिकों से अपील की कि घरों से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर न फेंकें, बल्कि निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालें। इससे कचरे का व्यवस्थित संग्रहण एवं निष्पादन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए जन भागीदारी आवश्यक है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए।

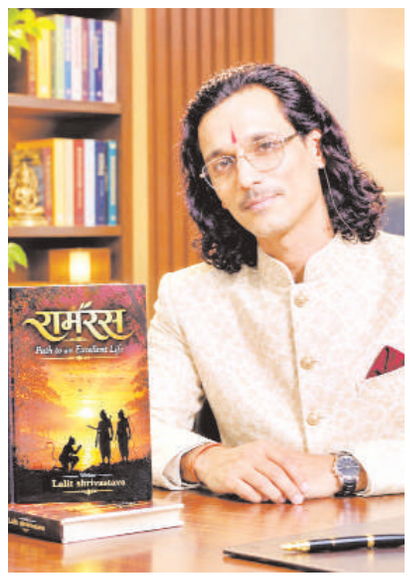
विशेष माफी देकर रिहा किए गए 3 बंदी

मध्यप्रदेश शासन के जेल विभाग मुख्यालय भोपाल के जारी दिशा निदेर्शों के तहत प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गांधी जयंती के अवसर पर केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में निरूद्ध एवं विशेष परिहार का लाभ प्राप्त करने वाले 3 बंदियों को सजा समाप्ति पर फूलमाला, श्रीफल एवं स्थाई रिहाई प्रमाण पत्र देकर रिहा किए गए। हर वर्ष 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। अंग्रेजों से आजादी दिलाने में गांधी जी का विशेष योगदान रहा है। अहिंसा गांधीजी के दर्शन का मूलमंत्र रहा, जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि अहिंसा एक दर्शन है, एक सिद्धांत है और एक अनुभव, जिसके आधार पर समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। सत्य और अहिंसा को लेकर गांधी जी हमेशा से न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करते रहे हैं। गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।



गांधी - शास्त्री जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर एम. आई. एम. टी. महाविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत विविध कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एव शास्त्री जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय में संचालित एन.सी.सी. कम्पनी एवं रासेयो इकाईयों द्वारा जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत रैली और समग्र स्वच्छता अभियान की दिशा मे कार्य किए गए। विगत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 के स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं में भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गांधी दर्शन पर आयोजित परिचर्चा में कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने अपने विचार प्रकट करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के विराट व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज के डायरेक्टर एड. रचित तिवारी ने गांधी शास्त्री दर्शन एवं नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत 2047 की अवधारणा पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक मेजर डॉ. पराग नेमा ने गांधी एवं शास्त्री के योगदान एवं उनके बताए रास्तों पर चलते हुए राष्ट्र सेवा परमो धर्म का संदेश दिया। इसके पूर्व एन.सी.सी. कंपनी एवं रासेयो द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर की साफ - सफाई कर अपनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन श्रीमती आराधना दुबे सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया। रासेयो दल नायक वेदांत दुबे द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ एस एन राव, श्रीमती अनीता रघुवंशी, जी.डी. उमरे, ले. जितेन्द्र कुमार मिश्रा, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी नीलेश सोनी, आई.टी. ऑफिसर प्रसून नेमा, रीतेश मालवीय तथा गर्ल्स विग इंचार्ज श्रीमती माधुरी पटवा सहित आयोजन समिति के सदस्य, स्टॉफ मेम्बर्स एवं छात्र - छात्राओं की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।



पुस्तक रामरस का विमोचन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। श्रीराम के जीवन, आदर्शों और मानवीय मूल्यों पर आधारित काव्य पुस्तक ह्यरामरसह्न का आनलाइन मोड पर विमोचन किया गया। लेखक ललित श्रीवास्तव द्वारा उक्त पुस्तक में भगवान के आदर्श एवं श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा, त्याग, प्रेम, कर्तव्य, संघर्ष और मानवीय संवेदनाओं को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली यह पुस्तक पाठकों को श्रीराम के जीवन-दर्शन से जोड़ने का प्रयास करेगी। ह्यरामरसह्न के माध्यम से पाठकों को श्रीराम के आदर्शों के करीब लाने और उनके जीवन-मूल्यों को समझने का प्रयास किया गया है। एवं रामायण के अलग अलग पात्रों की भूमिका एवं योगदान पर प्रकाश डालती हुई कवितायें पाठकों को रामरस में मिलेंगी, इस पुस्तक को सोच पब्लिकेशन हॉउस द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर नरसिंहपुर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस द्वारा ग्राम उमरिया में कांग्रेस संगठन समीक्षा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं से सक्रियता और निष्ठा के साथ जुटने का आह्वान किया गया। इसके अलावा जिले में कांग्रेस द्वारा विभिन्न स्थानों पर गांधी-शास्त्री जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम उमरिया में आयोजित सम्मेलन को जिला अध्यक्ष सहित अन्य वक्ताओं द्वारा संबोधित किया गया।



कार्यक्रम का संचालन नीलेश जाट, आभार प्रदर्शन पूर्व जनपद उपाध्यक्ष डेलन सिंह पटेल ने किया। नरसिंहपुर शहर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस कार्यालय में दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं शांति के विचारों तथा लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान के राष्ट्र निर्माण के संदेश को स्मरण किया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल ने आभार व्यक्त किया।

60 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र करेली के सुकराना होटल के सामने गोंगावली रोड पान टपरा के पास से एक व्यक्ति को 60 लीटर कच्ची शराब रखे था जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम संजू ठाकुर पिता धरम सिंह ठाकुर उम्र 50 साल निवासी राजेन्द्र वार्ड करेली का रहना बताया। जिसके कब्जे से 60 लीटर महुआ की कच्ची शराब जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6000 रुपए है जप्ती की गयी है। आरोपी के खिलाफ संबंधित थाना करेली मे अप.क्र.न. 920/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

विद्यार्थियों ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर रोशन धोरेलिया इंटरनेशनल स्कूल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सादगी के आदर्शों से परिचित कराना तथा उन्हें अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रैली निकाली और स्वच्छता एवं गांधीजी के आदर्शों से संबंधित संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने गांधीजी का रूप धारण कर उनके विचारों और आदर्शों को प्रस्तुत किया, जिससे कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बना। विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता



अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता के महत्व को समझते हुए साफ-सफाई में भाग लिया और स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के चेयरमैन प्रसून धोरेलिया के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यालय की डायरेक्टर सोनाली धोरेलिया ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और गांधी जी एवं शास्त्री जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रैली निकालकर टीबी मुक्त भारत का दिया संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, के एनसीसी कैडेट्स द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनजागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली का आयोजन 1 एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नितिन शर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रजत शेरावत के निर्देशन में किया गया। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर एमएलबी चौराहा एवं नगर पालिका चौराहा होते हुए स्टेडियम ग्राउंड, नरसिंहपुर पहुंची। एनसीसी कैडेट्स ने रैली के माध्यम से आमजन को टीबी से बचाव एवं इसके प्रति जागरूकता का संदेश दिया। रैली के दौरान नगरपालिका परिसर में उपस्थित लोगों को टीबी के लक्षणों एवं इससे होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। कैडेट्स ने बताया कि लंबे समय तक खांसी, तेज बुखार आदि लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतें तथा चिकित्सकीय परामर्श लेकर आवश्यक जांच एवं उपचार कराएं। जनजागरूकता रैली में एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। इस अवसर पर सीनियर अंडर ऑफिसर राधेश्याम, अंडर ऑफिसर मोहित सेन, अंडर ऑफिसर पूर्वी जाट, एनसीसी छात्रा विंग प्रभारी डॉ. शिवानी शिवहरे एवं एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. राजेश कुमार ठाकुर उपस्थित रहे।

दिव्यांशु का असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले के ग्राम समरिया निवासी दिव्यांशु पटेल पिता श्याम पटेल का एमपी पीएससी परीक्षा में दसवीं रैंक हासिल कर परिवार का नाम रोशन किया। दिव्यांशु का चयन मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2024 में चयन हुआ है। उनकी सफलता पर शुभचिंतकों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।



ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

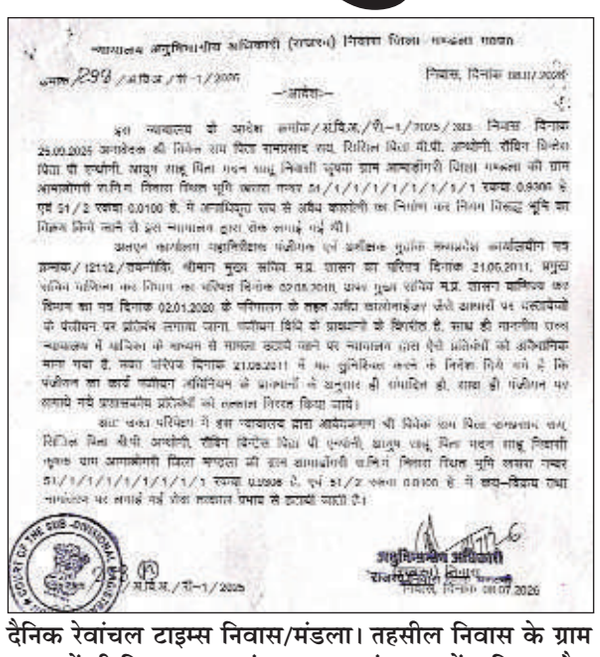
फसल अवशेष प्रबंधन हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, नरसिंहपुर द्वारा करेली में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद पंचायत करेली की अध्यक्ष प्रतिज्ञा परिहार एवं राष्ट्रीय बीज निगम के श्री नीरज सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को धान एवं गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बचे फसल अवशेष अर्थात पराली को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा फसल अवशेषों के पर्यावरण अनुकूल, वैज्ञानिक एवं टिकाऊ प्रबंधन के लिए प्रेरित करना था। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि फसल अवशेष खेत के लिए अनुपयोगी अपशिष्ट नहीं हैं। उचित प्रबंधन किए जाने पर इनका उपयोग मृदा में जैविक पदार्थ बढ़ाने, नमी संरक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य सुधारने में किया जा सकता है। वहीं फसल अवशेष जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ मिट्टी के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

8 माह से जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई का इंतजार, कलेक्ट्रेट में दो माह से नस्ती लंबित; मौके पर पक्के निर्माण जारी

आरआई जांच में निवास में अवैध प्लाटिंग की पुष्टि, फिर भी कार्रवाई ठंडे बस्ते में!



न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निवास जिला मण्डला मध्यप्रदेश

क्रमांक/298/अ.वि.अ./नि-1/2026 निवास, दिनांक 08.01.2026

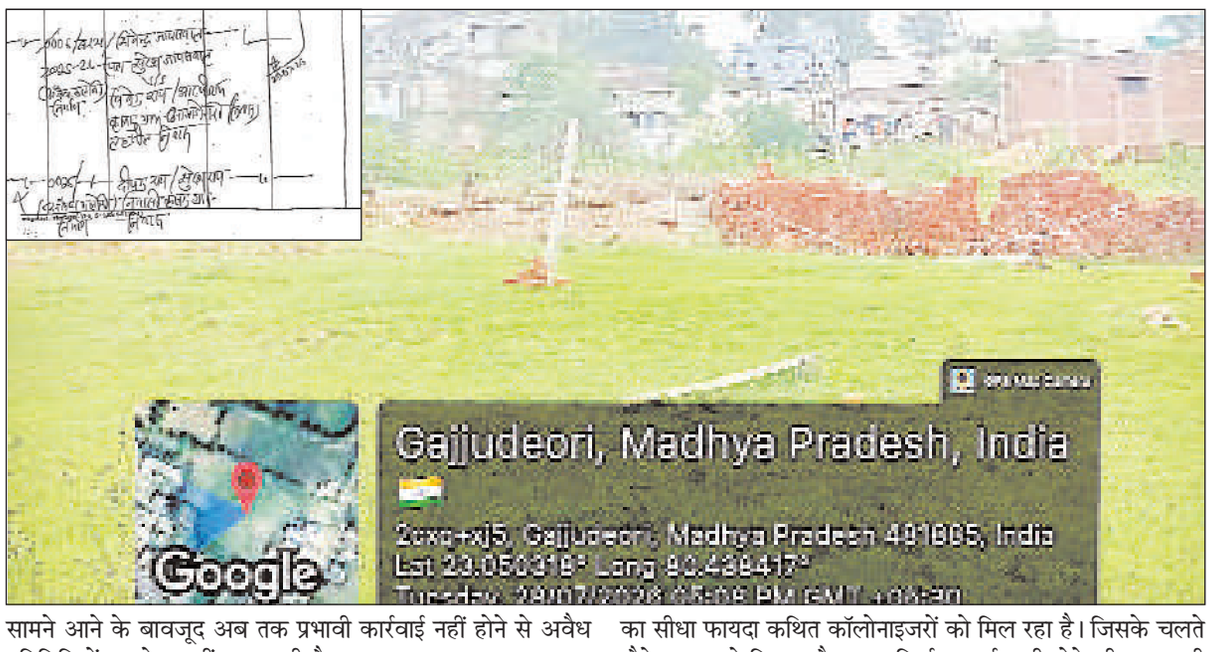
—आदेश—

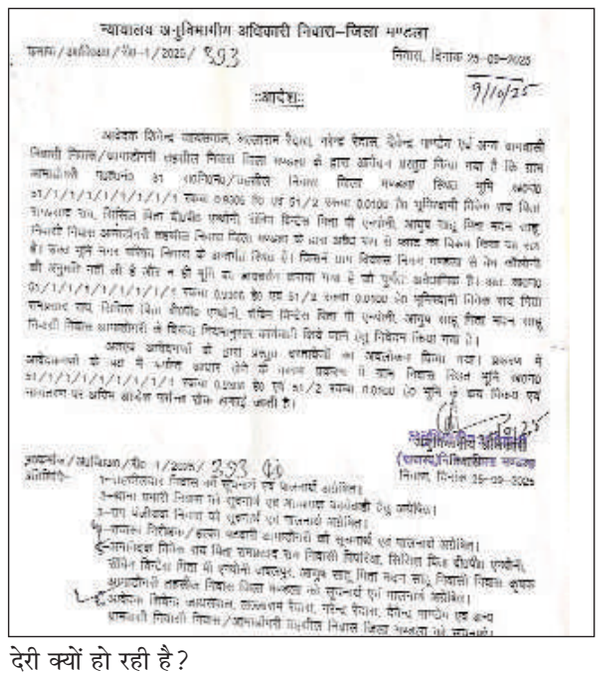
इस न्यायालय के आदेश क्रमांक/अ.वि.अ./नि-1/2025/393 निवास दिनांक 29.09.2025 अनावेदक श्री निलेश राम पिता रामप्रसाद राय, निवासी जिला मा.पी. अभ्योगी, पीड़ित निलेश पिता श्री फग्गूराम साहू निवासी पहुपा ग्राम आमाडोंगरी जिला मण्डला की ग्राम आमाडोंगरी राजि.नं. निवास स्थित भूमि खसरा नम्बर 51/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.9300 है एवं 51/2 रकबा 0.0100 है. से अनाधिकृत रूप से अवैध कालोनी का निर्माण कर निवास सिरहट भूमि का विक्रय किये जाने से इस न्यायालय द्वारा रोक लगाई गई थी।

अनावेदक कार्यालय पहाड़िसीढ़ाल पंजीयन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयीन पत्र क्रमांक/12112/राकपोविि, भोपाल मुख्य सचिव म.प्र. शासन का पत्रांक दिनांक 21.06.2011, मुख्य सचिव मंत्रिमंडल एवं निवास का पत्रांक दिनांक 02.08.2011, प्रमाण मुख्य सचिव म.प्र. शासन वाणिज्य कर विभाग का पत्र दिनांक 02.01.2020 के परिपालन के तहत अवैध कालोनाईजर्स जैसे आधारों पर भत्तावेचकों के पंजीयन पर प्रतिबंध लगाया जाना, पंजीयन विभि के प्रावधानों के विपरीत है, साथ ही नागरीय प्रशा न्यायालय में याचिका के माध्यम से मामला उठाये जाने पर न्यायालय द्वारा ऐसे प्रतिष्ठानों को अनैतिक माना गया है, तथा पंजीयन दिनांक 21.06.2011 में यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है कि पंजीयन का आवेदन पंजीयन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही संपादित हो, साथ ही पंजीयन पर लगाये गये प्रशासकीय प्रतिबंधों को सख्ताता निरस्त किया जावे।

अतः उक्त परिस्थिति में इस न्यायालय द्वारा आयोजनकर्ता श्री निलेश राम पिता रामप्रसाद राय, निवासि जिला मा.पी. अभ्योगी, पीड़ित देवेन्द्र पिता पी एन्थोनी, आयुष साहू, पिता मदन साहू निवासी पहुपा ग्राम आमाडोंगरी जिला मण्डला की ग्राम आमाडोंगरी राजि.नं. निवास स्थित भूमि खसरा नम्बर 51/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.9300 है. एवं 51/2 रकबा 0.0100 है. से क्रय-विक्रय तथा पंजीयन पर लगाई गई रोक यथावत प्रभाव से हटाई जाती है।

अनुविभागीय अधिकारी
राजस्व एवं दण्डाधिकारी
निवास, दिनांक 08.01.2026





न्यायालय अ-वि.अधिकारी निवास-जिला मण्डला

क्रमांक/अवि/निवास/नि-1/2025/393 निवास, दिनांक 29-09-2025

9/10/25

::आदेश::

आवेदक निलेश चायलखान, ग्रा.सतगवां, पंचायत पैरवी, पंचायत रामपुरा, पैरवी रामपुरा एवं अन्य ग्रामवासी निवास/आमाडोंगरी उपस्थित निवास जिला मण्डला के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम आमाडोंगरी पटवारिया 81 रामनिवास/पहाड़ीसीढ़ाल निवास स्थित मण्डला जिला भूमि खसरा नं. 51/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.9300 है एवं 51/2 रकबा 0.0100 है भूमिस्वामी निलेश राम पिता रामप्रसाद राय, निवासित जिला मा.पी. अभ्योगी, पंचायत पैरवी पी एन्थोनी, आयुष साहू पिता मदन साहू, निवासी निवास आमाडोंगरी के विरुद्ध निष्कासित/बेदखली किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

आवेदन आवेदकगणों के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। प्रकरण में आवेदकगणों के पक्ष में पर्याप्त आधार होने से ग्राम निवास स्थित भूमि खसरा नं. 51/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.9300 है एवं 51/2 रकबा 0.0100 है भूमिस्वामी निलेश राय पिता रामप्रसाद राय, निवासित जिला मा.पी. अभ्योगी, पंचायत पैरवी पी एन्थोनी, आयुष साहू पिता मदन साहू, निवासी निवास आमाडोंगरी के विरुद्ध निष्कासित/बेदखली किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः आवेदकगणों के पक्ष में पारित आदेश होने पर पालना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जावे। प्रकरण में पालनार्थ पर अग्रिम आदेश पालना शेष लगाई जाती है।

अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व एवं दण्डाधिकारी)
निवास, दिनांक 29-09-2025

दैनिक रेवांचल टाइम्स निवास/मंडला। तहसील निवास के ग्राम आमाडोंगरी स्थित खसरा नंबर 51/1 एवं 51/2 में कथित अवैध प्लाटिंग और कॉलोनी निर्माण का मामला अब प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधित भूमि पर बिना डायवर्सन और बिना टीएंडसीपी अनुमति के प्लाट काटकर बिक्री की जा रही है, जबकि राजस्व निरीक्षक की जांच में पहले ही अनियमितताओं की पुष्टि हो चुकी है।

24 जनवरी की आरआई रिपोर्ट में सामने आई स्थिति

शिकायत के आधार पर राजस्व निरीक्षक द्वारा 24 जनवरी 2026 को की गई जांच रिपोर्ट में कथित तौर पर सात खरीदारों को प्लाट बेचे जाने की स्थिति सामने आई थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच रिपोर्ट सामने आने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लग सकी है।

एसडीएम कोर्ट से कलेक्टर कार्यालय तक पहुंची नस्ती

मामले में 29 जुलाई 2026 को एसडीएम न्यायालय से संपूर्ण नस्ती अपर कलेक्टर न्यायालय, मंडला भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। शिकायतकर्ता के अनुसार नस्ती कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद भी करीब दो माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन न तो संबंधितों के विरुद्ध अपेक्षित कार्रवाई हुई और न ही मौके पर चल रहे निर्माण कार्य को रोकने के लिए प्रभावी कदम दिखाई दे रहे हैं।

फाइल लंबित, मौके पर निर्माण तेज

शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रशासनिक स्तर पर फाइल लंबित रहने का सीधा फायदा कथित कॉलोनाइजरों को मिल रहा है। जिसके चलते मौके पर पक्के पिलर और अन्य निर्माण कार्य जारी होने की बात कही जा रही है। आरोप है कि यदि समय रहते निर्माण और प्लाट बिक्री पर कड़ी कार्यवाही और रोक नहीं लगाई गई तो बाद में कार्रवाई होने पर भी खरीदारों और आम नागरिकों को भारी आर्थिक नुकसानी और अन्य हित प्रभावित हो सकते हैं।

संरक्षण के आरोप ने बढ़ाई प्रशासन की जवाबदेही

शिकायतकर्ता ने राजस्व एवं जिला प्रशासन के कुछ अधिकारियों पर कथित रूप से भू-माफिया को संरक्षण देने और मामले को लंबित रखने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी शेष है। ऐसे में प्रशासन के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि जांच में अनियमितताएं सामने आई हैं तो कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है?

जनता का सवाल—जांच के बाद भी कार्रवाई कब?

मामला अब केवल एक भूमि विवाद तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे प्रशासनिक जवाबदेही और अवैध कॉलोनियों पर नियंत्रण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ता की मांग है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए, मौके पर जारी निर्माण एवं प्लाट बिक्री की जांच कराई जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच हो। अब देखना यह है कि कलेक्ट्रेट में लंबित नस्ती फाइल कब बाहर आती है और आमाडोंगरी की कथित अवैध कॉलोनी पर प्रशासन कब ठोस कार्रवाई करता है।

मजदूर मां की बेटी सुषमा बनी असिस्टेंट प्रोफेसर

संघर्ष और मेहनत से हासिल की बड़ी सफलता



दैनिक रेवाँचल टाईम्स, मंडला। आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले के ग्राम सुकतरा-कन्हारी की बेटी सुषमा मरावी ने कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रेरणादायक सफलता हासिल की है। एक निरक्षर मजदूर मां की बेटी का यह सफर गांव की बेटियों के लिए उम्मीद और हौसले की मिसाल बन गया है। **साधारण परिवार, बड़ा सपना-** बिछिया विकासखंड के सुकतरा गांव में जन्मी सुषमा के पिता स्व. पंचू मरावी वाहन चालक थे, जबकि मां नन्हीं मरावी मजदूरी कर परिवार चलाती हैं। वर्ष 2010 में पिता के निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट और गहरा गया, लेकिन सुषमा ने पढ़ाई का रास्ता नहीं छोड़ा। **पढ़ाई के लिए बच्चों को पढ़ाया, खेतों और मनरेगा में भी किया काम-** आर्थिक परिस्थितियां कठिन थीं, इसलिए सुषमा ने अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए बच्चों को कोचिंग पढ़ाई। इसके साथ ही खेतों में मजदूरी की, मनरेगा में काम किया और पार्लर का काम भी सीखा। संघर्ष के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती ज्ञान मंदिर बिछिया और शासकीय विद्यालय माधोपुर से हुई। 11वीं और 12वीं की पढ़ाई उत्कृष्ट विद्यालय मंडला से जीवविज्ञान विषय में की। वर्ष 2016 में उन्होंने रानी दुर्गावती महाविद्यालय से बीए की डिग्री प्राप्त की। **एक असफलता ने रास्ता नहीं रोका-** वर्ष 2017-18 में सुषमा का पुलिस कांस्टेबल पद के लिए चयन हुआ, लेकिन मेडिकल परीक्षण में वे बाहर हो गईं। यह उनके लिए बड़ा झटका था, फिर भी उन्होंने हार मानने के बजाय अपनी दिशा बदलकर पढ़ाई जारी रखी। **भोपाल में नाइट ड्यूटी और साथ-साथ एमए-** इसके बाद सुषमा भोपाल पहुंचीं और डायल-100 तथा 108 सेवा में कॉल टेकर के रूप में काम किया। नाइट ड्यूटी के बीच उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में एमए किया। नौकरी, पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को एक साथ संभालना आसान नहीं था, लेकिन लगातार मेहनत और अनुशासन ने उन्हें असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा की तैयारी से जुड़े रहने की ताकत दी।

लगातार चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में चिंता; पुराने मामलों के खुलासे, रात्रिकालीन गश्त और मुखबिर तंत्र की प्रभावशीलता पर जवाब मांग रहे लोग

घुघरी थाने से करीब 100 मीटर दूर ज्वेलरी शॉप में चोरी, गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

रेवांचल टाइम्स, घुघरी। तहसील मुख्यालय घुघरी में चोरी की एक और वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना घुघरी से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक ज्वेलरी शॉप में चोरी की घटना सामने आने के बाद व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों के बीच चिंता बढ़ गई है। थाने के इतने नजदीक वारदात होने के कारण अब सबसे बड़ा सवाल पुलिस की रात्रिकालीन गश्त, निगरानी व्यवस्था और स्थानीय सूचना तंत्र को लेकर उठ रहा है। आखिर चोर इतनी संवेदनशील जगह पर वारदात कर किस तरह निकल गए, यह जांच का महत्वपूर्ण विषय है।

थाने से चंद कदम की दूरी पर वारदात

ज्वेलरी शॉप की थाना परिसर से दूरी बेहद कम बताई जा रही है। ऐसे में यह घटना केवल एक दुकान में चोरी तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि बाजार क्षेत्र में रात के समय पुलिस की मौजूदगी और गश्त की प्रभावशीलता से भी जुड़ जाती है। **आखिर वारदात के वक्त कहां थी रात्रिकालीन गश्त?-** घटना के बाद स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि यदि नियमित रात्रिकालीन गश्त की जा रही थी, तो थाने के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर क्यों नहीं पड़ी। बाजार और सराफा कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठान स्वाभाविक रूप से संवेदनशील माने जाते हैं, इसलिए यहां निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत होने की अपेक्षा की जाती है।

पुरानी चोरियों का भी मांगा जा रहा हिसाब

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में घुघरी क्षेत्र में चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं। इन मामलों की वास्तविक संख्या, कितने मामलों का खुलासा हुआ, कितने आरोपी पकड़े गए और कितनी चोरी गई संपत्ति बरामद हुई— इन आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी सामने आने पर स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी। **मुखबिर तंत्र और संदिग्धों की निगरानी पर भी सवाल-** चोरी की लगातार सामने आ रही घटनाओं को देखते हुए पुलिस के मुखबिर तंत्र और पुराने अपराधियों की निगरानी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सामान्यतः चोरी की घटनाओं के खुलासे में स्थानीय सूचना तंत्र, उठऊ फुटेज, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों और पुराने अपराधियों से जुड़े इनपुट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में यह अपेक्षा की जा रही है कि ज्वेलरी शॉप की घटना में आसपास लगे कैमरों, मोबाइल मूवमेंट, संदिग्ध वाहनों और पुराने अपराध रिकॉर्ड की जांच तेजी से की जाए।



घुघरी पुलिस से सीधे ये सवाल

थाना परिसर से करीब 100 मीटर दूर चोरी कैसे हुई? घटना की रात क्षेत्र में पुलिस गश्त की स्थिति क्या थी? बाजार और सराफा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था है? पिछले तीन वर्षों में चोरी के कितने मामले दर्ज हुए और कितनों का खुलासा हुआ? चोरी के मामलों में कितनी संपत्ति बरामद की गई? क्षेत्र में सक्रिय संदिग्धों और पुराने अपराधियों की निगरानी किस स्तर पर की जा रही है? **व्यापारियों को चाहिए सुरक्षा और त्वरित खुलासा-** ज्वेलरी शॉप में चोरी के बाद व्यापारियों की प्रमुख अपेक्षा है कि पुलिस मामले का जल्द खुलासा करे और बाजार क्षेत्र में रात की गश्त बढ़ाई जाए। संवेदनशील व्यापारिक क्षेत्रों में उऊळश निगरानी, पुलिस पेट्रोलिंग और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था मजबूत किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

अब सिर्फ जांच नहीं, नतीजों पर नजर

थाने के नजदीक हुई इस वारदात के बाद पुलिस की जांच पर पूरे क्षेत्र की नजर है। यदि पुराने चोरी के मामलों के साथ इस घटना का भी समयबद्ध खुलासा होता है, तो इससे व्यापारियों और आम नागरिकों का सुरक्षा व्यवस्था पर भरोसा मजबूत हो सकता है। मामले में पुलिस का विस्तृत आधिकारिक पक्ष, चोरी गई संपत्ति का विवरण तथा जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय स्तर पर बताई जा रही पुरानी चोरी की घटनाओं की संख्या की भी आधिकारिक पुलिस रिकॉर्ड से पुष्टि अपेक्षित है।





स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in